अजमेर, सीकर, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 9314505000 लॉग ऑन करें: www.chamaktarajasthan.com

RNI No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

चमकता राजस्थान

Email- chamaktarajasthan8789@gmail.com जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2022-23

जयपुर, मंगलवार, 8 अगस्त 2023 वर्ष : 13 अंक : 345 पृष्ठ : 8 दैनिक प्रातः कालीन मूल्य : 1 रूपया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नवसृजित जिला गंगापुर सिटी के स्थापना कार्यक्रम का किया वर्चुअल शुभारंभ

सवाई माधोपुर, विशाल अग्रवाल

चमकता राजस्थान। नवसृजित जिले गंगापुर सिटी का स्थापना कार्यक्रम सोमवार को नवीन फल सब्जी मण्डी उदेई मोड़ गंगापुर सिटी में प्रभारी मंत्री भजन लाल जाटव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने वर्चुअल माध्यम से बटन दबाकर नवगठित जिले की शिला पट्टिका का अनावरण किया।

इससे पूर्व आचार्य पंडित अशोक दीक्षित के नेतृत्व में प्रभारी मंत्री भजन लाल जाटव, स्थानीय विधायक रामकेश मीना, पूर्व केन्द्रीय मंत्री नमोनारायण मीणा, जिला कलक्टर गंगापुर सिटी डॉ. अंजली राजोरिया, पुलिस अधीक्षक गंगापुर सिटी देवेन्द्र विश्नोई अन्य जनप्रतिनिधियों ने पूरे विधि विधान, हवन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के माध्यम से तथा हाजी जमील खां, ब्रहम कुमारी सुमित्रा, फादर रोमियो, ज्ञानी निर्मल सिंह, आचार्य पंडित अशोक दीक्षित के आर्शीवचनों एवं अटल हाड़ा के श्री श्री 1008 नंगेश्वर बाबा धूनी की पावन उपस्थिति में नवसृजित जिले की स्थापना की गई। आरएसी बैन्ड द्वारा देश भक्ति की धुन बजाई गई। वहीं विद्यालय की छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। सभी अतिथियों का स्वागत, शहनाई वादन, स्कूली बैन्ड वादन, छात्राओं द्वारा पारंपरिक रूप तिलक कर तथा फूल वर्षा कर किया गया। प्रभारी मंत्री भजन लाल जाटव ने गंगापुर सिटी को नया जिला बनने पर माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि स्थानीय विधायक रामकेश मीना के सार्थक प्रयासों से गंगापुर सिटी नया जिला बना है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों एवं जनता को बधाई देते हुए कहा कि जिले के प्रशानिक ढांचे को मूर्त रूप देने के लिए मिनी सचिवालय, सर्किट हाउस सहित अन्य कार्यालयों, सिविल लाइंस आदि के लिए आचार संहिता लगने से पहले भूमि आवंटित कर जल्द ही शिलान्यास के कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राजस्थान मॉडल स्टेट बनकर उभरा है, सड़क के काम हो चाहे घर-घर नल से जल पहुंचाने का काम हो राजस्थान ने देश में नए आयाम स्थापित किए हैं। गंगापुर जिले के सृजनकार, मुख्यमंत्री सलाहकार एवं गंगापुर सिटी विधायक रामकेश मीणा ने नवगठित गंगापुर जिले के स्थापना समारोह को संबोधित करते हुए गंगापुर सिटी की जनता की ओर से माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत का गंगापुर सिटी को नया जिला बनाने के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने नया जिला बनने पर गंगापुर सिटी के समस्त नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि हम सब मिलकर जिले के विकास के लिए हर संभव कार्य करें और इसे राजस्थान में एक मॉडल जिले के रूप में स्थापित करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने नवसृजित जिलों के लिए 2 हजार करोड़ रूपए का बजट का प्रावधान किया है। उस राशि में से गंगापुर सिटी के लिए मुख्यमंत्री से अधिकतम राशि दिलाने की मांग करेंगे ताकि यहां के कार्यालयों सहित अन्य भवनों का शिलान्यास होने के पश्चात निर्माण हो सके। उन्होंने गंगापुर सिटी जिला बनाने के लिए प्रयास करने वाले पूर्व जनप्रतिनिधियों, वर्तमान जनप्रतिनिधियों का भी आभार व्यक्त करते हुए आगे बढ़ने की बात कही। उन्होंने गंगापुर सिटी के विकास के लिए ईआरसीपी योजना को मुख्य मानते हुए सभी जनप्रतिनिधियों से इस योजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करवाने के लिए हर संभव प्रयास करने की बात कहीं। इस मौके पर बामनवास विधायक इंदिरा मीणा ने गंगापुर सिटी को ऐतिहासिक पल देने के लिए मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इससे जिले के विकास को नए आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने बामनवास उपखंड के निवासियों की ओर से गंगापुर सिटी नया जिला बनने पर बधाई प्रेषित की। पूर्व केंद्रीय मंत्री नमो नारायण मीणा ने गंगापुर सिटी नया जिला बनने पर जनप्रतिनिधियों एवं आमजन को बधाई देते हुए कहा कि नए जिला बनने से क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे एवं अधिक से अधिक जनता को इसका लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि अब आमजन की सुनवाई अल्प समय में नजदीक स्थान पर प्रभावी रूप से हो सकेगी। अब जिला कलक्टर जन अभाव अभियोग के परिवाद सुनने के लिए अधिक दूरी तय नहीं करेंगे। नवीन जिला बनने से क्षेत्र का तीव्र गति से विकास होगा। साथ ही केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक आमजन तक कम समय में पहुंचेगा। उन्होंने गंगापुर सिटी को एजुकेशनहब बनाने के लिए जनप्रतिनिधि से आह्वान किया। इस दौरान जिला कलक्टर गंगापुर सिटी डॉ. अंजली राजोरिया ने स्वागत उद्बोधन एवं राज्य सरकार द्वारा नये जिले गंगापुर सिटी के लिए जारी अधिसूचना का पठन भी किया। वहीं जिला कलक्टर सवाई माधोपुर सुरेश कुमार ओला ने कहा कि गंगापुर सिटी जिला बनने से क्षेत्र का त्वरित गति से विकास होगा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक गंगापुर सिटी देवेन्द्र विश्नोई ने भी सम्बोधित किया। मंच संचालन उप प्रधानाचार्य महिलाल मीना एवं व्याख्याता रूप सिंह मीना ने किया। अतिरिक्त जिला कलक्टर गंगापुर सिटी हरिराम मीना ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं आमजन का गंगापुर सिटी जिला स्थापना कार्यक्रम में पधारने पर आभार व्यक्त किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सवाई माधोपुर हर्षित अगरवाला, जिला प्रमुख सुदामा मीना, पूर्व मंत्री एवं टोडाभीम विधायक रामस्वरूप मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रकाश चन्द, एसडीएम गंगापुर सिटी नरेन्द्र मीना, नादौती प्रधान, टोडाभीम प्रधान सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं आमजन इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनें।

मानहानि केस में वीसी से कोर्ट में पेश हुए गहलोत

21 अगस्त को रिवीजन कोर्ट से लाना होगा स्टे, वरना फिर होना होगा पेश

चमकता राजस्थान, जयपुर । केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह द्वारा किए गए मानहानि के केस में आज सीएम अशोक गहलोत दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में वीसी के जरिए पेश हुए। गहलोत को रिवीजन कोर्ट ने राउज एवेन्यू कोर्ट में वीसी से पेश होने व बेल बॉड नहीं भरने की छूट दी थी। इसके चलते आज सीएम गहलोत को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश नहीं होना पड़ा। राउज एवेन्यू कोर्ट ने 21 अगस्त को मामले की अगली सुनवाई तय की है। ऐसे में इससे पहले सीएम गहलोत को रिवीजन कोर्ट से निचली अदालत के आदेश पर स्टे लाना होगा। अथवा कोर्ट से फिर व्यक्तिगत रूप से पेशी से छूट लेनी होगी। वरना 21 अगस्त को उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होकर अपनी जमानत करानी होगी। रिवीजन कोर्ट में 19 अगस्त को मामले की सुनवाई होगी। दरअसल केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सीएम अशोक गहलोत द्वारा संजीवनी घोटाले में उन्हें और उनके परिवार को आरोपी बताने के मामले में मानहानि का दावा किया था। जिस पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने 6 जुलाई को सीएम अशोक गहलोत के खिलाफ समन जारी किया था। इसके खिलाफ गहलोत ने सेशन कोर्ट में रिवीजन फाइल की थी। लेकिन उन्हें वहां से राहत नहीं मिली थी। रिवीजन कोर्ट में सीएम गहलोत को केवल वीसी के जरिए पेश होने की छूट दी थी।

एसओजी ने जो बताया वो बोला

रिवीजन कोर्ट में 1 अगस्त को सुनवाई के दौरान सीएम अशोक गहलोत की ओर से कहा गया था कि उनके पास गृह विभाग भी हैं। गृहमंत्री होने के नाते एसओजी उन्हें रिपोर्ट करती हैं। एसओजी ने केस को लेकर जो उन्हें जानकारी दी। उसे सीएम अशोक गहलोत ने मीडिया के साथ साझा किया। एसओजी को मिली शिकायत में गजेन्द्र सिंह के परिवार का नाम भी हैं।

वहीं गजेन्द्र सिंह शेखावत के अधिवक्ताओं ने बहस करते हुए कहा था कि हमारा किसी भी शिकायत में नाम नहीं था। मानहानि का केस दर्ज होने के बाद एसओजी द्वारा इस मामलें में कथित तथ्य जुटाए गए।

करीब 5 माह पहले गहलोत ने दिया था बयान : करीब पांच माह पहले केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ मानहानि का दावा पेश किया था। गजेन्द्र सिंह ने संजीवनी घोटाले में उनके परिवार के बारे में दिए गए अशोक गहलोत के बयान को आधार बनाया था। दरअसल, गहलोत ने 21 फरवरी को सचिवालय में बजट की समीक्षा बैठक के बाद कहा था कि संजीवनी घोटाले में गजेंद्र सिंह के मां-बाप, पत्नी सहित पूरा परिवार

मालवीय नगर विधानसभा से कौन होगा कांग्रेस प्रत्याशी?

(अत्री कुमार दाधीच)

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा के चुनाव नजदीक आते की टिकट मांगने वालों की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है शहर के मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से भाजपा ने कब्जा जमाया हुआ है ऐसे में कांग्रेस यह सीट छोड़ना नहीं चाहती, ऐसे में कांग्रेस भाजपा से यह सीट जीतने में पूरा जोर लगा रही है इस बार कांग्रेस ने मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र से युवा को मैदान में उतारने का मन बनाया है यहां से अर्चना शर्मा लगातार दो चुनाव हार चुकी है हालांकि इस बार हार का अंतर बहुत ही कम आया था लेकिन आलाकमान की गाइडलाइन के अनुसार दो बार चुनाव हार रहे उम्मीदवार को इस बार टिकट नहीं दिए जाने से अर्चना शर्मा के चुनाव लड़ने पर विराम लगता दिखाइ दे रहा है हालांकि अर्चना शर्मा के दिल्ली में काफी रसुखात हैं ऐसे में आलाकमान

अर्चना शर्मा

गाइडलाइन में बदलाव भी कर सकता है वहीं दूसरी ओर युवा नेता में एक नाम रवि जोशी का सामने आया है रवि जोशी ने राजस्थान विश्वविद्यालय का चुनाव लड़कर राजनीति में पदार्पण किया था इसके अलावा वे कांग्रेस से जुड़े राहुल गांधी के आवाह्न पर कांग्रेस का दामन थाम कर कार्य कर रहे हैं दिल्ली में उनके नाम पर विचार किया जा सकता है।

युवा नेता में ही विचार व्यास का नाम भी सामने है यह काफी समय से कांग्रेस से जुड़े हैं साथी उनके पिताजी के मुख्यमंत्री गहलोत से पारिवारिक रिश्ते होने का लाभ भी उन्हें मिल सकता है।

विचार व्यास गांधी दर्शन एवं गांधीजी से जुड़े कई संस्थानों में कार्यरत हैं इसके अलावा मूल मालवीय नगर क्षेत्र के रहने वाले इन्होंने गांधी दर्शन के माध्यम से स्थानीय वासियों के लिए कई कार्य किए हैं यह अपने किए गए कार्यों के आधार पर अपनी दावेदारी जता रहे हैं।

दूसरी ओर व्यापार जगत से

पवन गोयल

जुड़े पवन गोयल ने भी अपनी दावेदारी मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र से दर्शाई है, पवन गोयल होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सहित कई व्यापार संगठनों से जुड़े हुए भी हैं उनके दिल्ली के राज नेताओं से अच्छे रसुखात हैं, साथ ही प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से अच्छे संबंधों के कारण अपनी मजबूत दावेदारी कर पेश कर रहे हैं।

पवन गोयल पिछले 25 सालों से कांग्रेस से जुड़े हुए हैं इसके अलावा इन्होंने कोरोना काल में सभी व्यक्तियों की आर्थिक सामाजिक एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई तथा जन सेवा में तत्पर रहे, इसके अलावा यह मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के निवासी होने का इन्हें भरपूर लाभ मिलेगा, पवन गोयल कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं और व्यापारिक संगठन के पदाधिकारी वर्तमान समय में हैं इन सब का ख्याल रखते हुए उनकी दावेदारी मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में जोरदार मानी जा रही है।

इन्हीं के साथ विप्र कल्याण बोर्ड

महेश शर्मा

के अध्यक्ष महेश शर्मा मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में पिछले दो चुनावों से अपने दावेदार दिखा रहे हैं ये सचिन पायलट खेमे के माने जाते हैं लेकिन गत चुनाव में पायलट इन को टिकट दिलाने में असफल रहे थे वहीं महेश शर्मा की दावेदारी इस बात से भी देखी जा रही है की पूर्व में संगठन के सचिव होने के कारण संगठन में इनकी काफी अच्छी पकड़ रही है इसके साथ ही इनका आमजन से जुड़ा बना हुआ है साथ ही इन्होंने क्षेत्र की जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया है इससे इनकी दावेदारी को बल मिलता है।

इसके अलावा लघु उद्योग

राजीव अरोड़ा

निगम के अध्यक्ष एवं उद्योगपति राजीव अरोड़ा मालवीय नगर विधानसभा से एक बार चुनाव लड़ कर हार चुके हैं, गत चुनाव में राजीव अरोड़ा ने आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र टिकट मांगा था आखिर समय में इनका टिकट काटकर रफीक खान को दिया गया और उन्होंने जीत हासिल कर ली और इस इस बार राजीव अरोड़ा मालवीय नगर विधानसभा। से अपना भाग्य आजमाने की दौड़ में शामिल हो गए हैं ये राज्य का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नजदीकी माने जाते हैं लेकिन मुख्यमंत्री पारिवारिक रिश्तो को राजनीति से दूर रखते हैं यही कारण है कि इस बार मालवीय नगर से कांग्रेस का प्रत्याशी बनाने में मुख्यमंत्री राजीव अरोड़ा की कितनी मदद कर पाएंगे यह भविष्य के गर्त में है।

हालांकि राजीव अरोड़ा दिल्ली आलाकमान से भी संपर्क में हैं इसी बल पर वे इस बार मालवीय नगर विधानसभा के सबसे मजबूत दावेदार के तौर पर सामने आ रहे हैं।

राजीव अरोड़ा पंजाबी समाज से आते हैं, यदि जयपुर में जातिगत समीकरण देखा जाए तो विद्याधर नगर से वैश्य समाज से सीताराम अग्रवाल का दावा सबसे मजबूत नजर आ रहा है ऐसे में जयपुर से दो सीटें वैश्य समाज को मिलेगी इसमें भी संशय नजर आ रहा है, वैश्य समाज के दूसरे बड़े दावेदार पवन गोयल हैं।

इसके अलावा एडवोकेट सुशील शर्मा चुनाव में पिछले कई बार से अपनी दावेदारी दिखाते रहे हैं वे इस बार भी अपनी मजबूत

सुशील शर्मा

दावेदारी दिखा रहे हैं।

दूसरी और अर्चना शर्मा ब्राह्मण समाज से आती है और मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में ब्राह्मण उम्मीदवारों की संख्या भी कम नहीं है, जिसमें महेश शर्मा , रवि जोशी ओर विचार व्यास के नाम प्रमुख हैं।

मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र ने जातीय समीकरण देखा जाए तो यह क्षेत्र महाजन ब्राह्मण और सिंधी पंजाबी जातियां इस क्षेत्र में निवास करती है इसके अलावा इस विधानसभा क्षेत्र में माली जाति निर्णायक भूमिका अदा करती है कांग्रेस इस बार माली प्रत्याशी को भी मैदान में उतारने के लिए विचार बना रही है इसके अलावा ब्राह्मणों में क्षेत्र से तीन उम्मीदवार मैदान में देखे जा रहे हैं जबकि पंजाबी समाज से एक उम्मीदवार अभी कांग्रेस के मैदान मे है,देखना यह है कि कांग्रेस किस जाति को प्राथमिकता देते हुए प्रत्याशी को मैदान में उतारती है।

मणिपुर हिंसा...सुप्रीम कोर्ट ने 3 महिला जजों की कमेटी बनाई

नई दिल्ली , (एजेंसी)। मणिपुर हिंसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 7 अगस्त को फिर सुनवाई हुई। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट के 3 जजों की कमेटी मणिपुर में जाकर राहत और पुनर्वास देखेगी। कोर्ट ने ये भी कहा कि ऐसी कोशिशें की जानी चाहिए, ताकि राज्य के लोगों में विश्वास और कानून के शासन में भरोसा लौट सके। वहीं, राज्य के हालात की जानकारी देने मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह कोर्ट पहुंचे। उन्होंने प्रशासन के उठाए कदमों के बारे में बताया। जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस रहीं गीता मित्तल इस कमेटी की हेड होंगी। कमेटी की दो अन्य सदस्य जस्टिस (रिटायर्ड) शालिनी पी जोशी और जस्टिस (रिटायर्ड) आशा मेनन होंगी। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल (त्न) आर वेंकटरमणी ने कहा कि मणिपुर की मौजूदा स्थिति नाजुक है। बाहर से जांच होना लोगों में विश्वास पैदा नहीं करेगा। सरकार स्थिति को संभालने के लिए परिपक्व तरीके से डील कर रही है। मणिपुर में एक आर्टिफिशियल सिचुएशन बनाई गई है, जिससे बताया जा रहा है कि सरकार कुछ नहीं कर रही। यह बहुत उलझाऊ स्थिति है।

बेंच कितनी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही, सीबीआई की क्या मांग है? : मणिपुर हिंसा मामले में चीफ जस्टिस चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सुनवाई कर रही है। केंद्र का कहना है कि 6,523 एफआईआर में से 11 महिलाओं और बच्चों की हिंसा से जुड़ी हैं। इनकी जांच सीबीआई को सौंपी जानी चाहिए। एजेंसी भी 11 मामलों की जांच की मांग कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच मणिपुर हिंसा से जुड़ी 10 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

42 एसआईटी हिंसा के मामलों की जांच करेंगी : सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मणिपुर में हिंसा से जुड़े मामलों की 42 स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम जांच करेंगी। इन केसों को अभी तक सीबीआई को ट्रांसफर नहीं किया गया है। इन एसआईटी के काम को डीआईजी रैंक का अफसर निगरानी करेगा। ये अफसर मणिपुर के बाहर के होंगे। डीआईजी रैंक का एक अफसर 6 एसआईटी की निगरानी करेगा।

इन एसआईटीकी जिले के आधार पर नियुक्ति होगी।

जयपुर में डेंगू से अब तक 2 की मौत

चमकता राजस्थान, जयपुर। बारिश शुरू होने के साथ ही राज्य में मच्छर जनित बीमारियां (डेंगू-मर्लेरिया) तेजी से बढ़ने लगी है। राजस्थान में डेंगू से सबसे ज्यादा जयपुर जिला प्रभावित हो रहा है। इस सीजन में 25 फीसदी केस अकेले जयपुर में मिले है। इसकी चपेट में आने से राज्य में अब तक 2 मरीजों की मौत हो गई, जो जयपुर में हुई है। डेंगू के मामले में राज्य के हाईरिस्क जिलों की सूची में जयपुर पहले नंबर पर आ गया है।मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट से मिली रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान में इस सीजन में अब तक डेंगू के 1 हजार केस सामने आ चुके है, जिसमें से 25 फीसदी यानी 250 केस केवल जयपुर में ही डिटेक्ट हुए हैं। इसमें से 2 मरीजों की मौत भी हो चुकी है। जयपुर सीएमएचओ डॉ. विजय फौजदार ने बताया- मलेरिया-डेंगू के बढ़ते केसों को देखते हुए हमने जिले के सभी हॉस्पिटलों में अलग से मच्छर प्रूफ वार्ड में भर्ती करने और जरूरी दवाईयों और जांच किट का स्टॉक रखने के निर्देश दिए है। साथ ही एएनएम, आशा सहयोगिनियों की टीमें बनाकर घर-घर सर्वे करवाया जा रहा है। मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट के मुताबिक डेंगू और मलेरिया के हाई रिस्क जिलों में अलवर, दौसा, हनुमानगढ़, बाड़मेर, जैसलमेर और उदयपुर जिले आते है, लेकिन अभी जयपुर इस सूची में पहले नंबर पर आ गया है।

एसएमएस में 9 हजार से ज्यादा की ओपीडी : मानसून के साथ ही मौसमी बीमारियों भी बढ़ने लगे है। खांसी-जुकाम के अलावा दूसरे वायरल इंफेक्शन से प्रभावित मरीजों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में हर रोज ओपीडी में 9 हजार से ज्यादा मरीज दिखाने आ रहे है। जबकि सामान्य दिनों में ओपीडी की संख्या 6-7 हजार के बीच रहती है। इसके अलावा जयपुरिया हॉस्पिटल, आरयूएचएस और कावंटिया हॉस्पिटल की ओपीडी में भी मरीज की संख्या बढ़ गई है।

ये हैं लक्षण : डॉक्टर्स के मुताबिक डेंगू से पीड़ित मरीज के तेज बुखार, सर दर्द, चेहरे या शरीर पर लाल लाली आना, हड्?डी तोड़ बुखार होने जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस सीजन में अगर किसी व्यक्ति के ऐसी स्थिति हो तो उसे तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। ताकि डेंगू प्रोफाइल ढ्ढत्तरू और ढ्ढत्त की जांच करके पता चल सके कि उसके डेंगू है या नहीं।

एक बार सीबीसी जरूर करवाए : विशेषज्ञों के मुताबिक अगर किसी मरीज के डेंगू हो गया है और वह घर पर इलाज ले रहा है तो उसे दिन में कम से कम एक बार कंप्लीट ब्लड काउंट (सीबीसी) की जांच करवानी चाहिए। इससे मरीज के ब्लड में मौजूद प्लेटलेट्स की काउंटिंग पर नजर रखी जा सके। कई बार व्यक्ति की ब्लड प्लेटलेट्स 50 हजार से नीचे चली जाती है, लेकिन उस पर कोई रिएक्शन नहीं दिखता। ऐसे में अगर किसी मरीज के 50 हजार काउंटिंग आती है तो उसे तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

चिंतन

भारत के साथ सीमा विवाद हल करे चीन

चीन के साथ भारत के सीमा विवाद का हल दोनों मुल्कों के हित में है। जून 2020 में हुई गलवान घटना के बाद से भारत व चीन के बीच सीमा पर लगातार तनाव है। 18 दौर की कमांडर वार्ता के बाद भी कोई हल नहीं निकला है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा है कि भारत और चीन ने पिछले तीन वर्ष में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर टकराव वाले पांच-छह बिन्दुओं पर वार्ता के जरिए प्रगति की है तथा बाकी के मुद्दों को हल करने का प्रयास किया जा रहा है। सीमा पर चीनी सैन्य गतिविधियों को लेकर सरकार लगातार विपक्ष की आलोचना झेल रही है। विपक्ष संसद व संसद के बाहर सरकार पर आरोप लगाता रहा है कि सरकार चीन के साथ सीमा विवाद हल करने में विफल रही है, सीमा पर चीनी अतिक्रमण बढ़ा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसलिए स्थिति स्पष्ट की है कि पूर्वी लद्दाख में विवाद को हल करने का प्रयास किया जा रहा है और दोनों पक्ष समाधान तलाशने पर काम कर रहे हैं। यह अच्छा संकेत है। दरअसल, भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले कुछ बिन्दुओं पर तीन साल से अधिक समय से गतिरोध बना हुआ है। दोनों पक्षों ने व्यापक कूटनीतिक और सैन्य वार्ता के बाद कई इलाकों से सैनिकों को वापस भी बुलाया है। इसके बावजूद एलएसी पर सैन्य तनाव बरकरार है। इसका हल जरूरी है। हाल में चीनी रुख में भी बदलाव आया है, चीन की तरफ से भारत से रिश्ते बेहतर करने के प्रयास तेज हुए हैं। चीनी विदेश मंत्री भारत दौरे पर आए, एससीओ, ब्रिक्स बैठकों में भारत व चीन के नेताओं के बॉडी लैंग्वेज सकारात्मक रहे हैं। भारत में सितंबर में आयोजित जी-20 की मुख्य बैठक में भी चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग शिरकत करने वाले हैं। भारत भी शांति का पक्षधर है और चीन के साथ सीमा विवाद सुलझाना चाहता है। भारत व चीन के बीच करीब 3488 किलोमीटर की सीमा है, लेकिन सीमा को लेकर भारत व चीन के अपने अपने दावे के चलते विवाद कायम है। सीमा पर चीनी कुराफात के चलते भारत को हमेशा सतर्क रहना पड़ता है। चीन सीमा पर विवाद को जन्म देकर दूसरे मुल्कों की भूमि हड़पने की अपनी पुरानी चाल को दोहराता रहता है। चीन अपनी भौगोलिक विस्तारवाद की महत्वाकांक्षा के चलते भी सीमा विवाद को हल करने में रुचि नहीं दिखाता है। क्योंकि भारत के साथ अनेक बार वार्ता के बाद भी चीन सीमा पर एक राय कायम नहीं कर सका है, जबकि भारत के साथ सीमा विवाद के हल होने से चीन का भी फायदा ही है। कारण कि भारत और चीन के बीच आपसी व्यापार ड्रैगन के पक्ष में है। इसका मतलब यह हुआ कि भारत जितना चीन को निर्यात करता है, उससे अधिक उससे आयात करता है। चीन ने अपनी सामरिक शक्ति का दुरुपयोग पड़ोसी देशों के साथ सीमा पर विवाद को जन्म देने में किया है। पूर्वी लद्दाख में गलवान की घटना ने चीनी दुर्भावना को उजागर किया। भारत के साथ वह कभी भी भरोसेमंद नहीं रहा। मजबूर होकर भारत चीन से ट्रेड कम करना शुरू किया है और सीमा पर बुनियादी ढांचा विकसित कर रहा है। चीन को चाहिए कि वह भारत के साथ सच्चे मन से सीमा विवाद सुलझाए, ये दोनों के हित में है और वह भारत की स्वतंत्र विदेश नीति व कूटनीति का सम्मान करे। यूएन में अपने वीटो पावर का दुरुपयोग भारत के खिलाफ ना करे। चीन भरोसेमंद राष्ट्र बने।

विचार
राज कुमार सिंह

राहुल को राहत से बदलेगा राजनीतिक परिदृश्य

तकनीकी दृष्टि से यह सही है कि राहुल को सूरत की अदालत ने दो वर्ष की सजा सुनायी और लोकसभा सचिवालय ने नियमानुसार तत्काल उनकी सदस्यता समाप्त कर दी। उनसे आनन-फानन में ही सांसदवाला बंगला भी खाली करा लिया गया, लेकिन इस पूरे प्रकरण के मूल में राजनीति को देख-समझ पाना मुश्किल भी नहीं। इसलिए राहुल को इस राहत पर कांग्रेस और भी आक्रामक होगी। कांग्रेस राहुल समेत नेहरू परिवार को निशाना बनाये जाने को मुद्दा बनाते हुए मतदाताओं की सहानुभूति हासिल करना चाहेगी, जबकि भाजपा इसे विशुद्ध न्यायिक प्रक्रिया बताते हुए राहुल के विरुद्ध लंबित अन्य मानहानि मामले भी गिनाएगी।

राहुल गांधी के मोदी सरनेम संबंधी बयान को आपत्तिजनक मानते हुए भी सुप्रीम कोर्ट ने मानहानि मामले में उन्हें अधिकतम दो वर्ष की सजा दिये जाने पर जो सवाल उठाये हैं, उनका कानूनी ही नहीं, राजनीतिक असर भी दूरगामी होगा। निचली अदालतों द्वारा अधिकतम सजा सुनाये जाने का कारण न बताये जाने के आधार पर ही सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगाते हुए जो राहत दी है, उससे उनकी सांसदी बहाली और अगला लोकसभा चुनाव लड़ने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस राहत को संविधान और लोकतंत्र की जीत बताते हुए कांग्रेस ने जिस तरह भाजपा और नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा है, उससे साफ है कि इस मुद्दे पर राजनीति और गरमायेगी।

ध्यान रहे कि मोदी सरनेम संबंधी बयान पर सूरत की अदालत में यह मानहानि मुकदमा भाजपा के विधायक एवं पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने दायर किया, जिनके मोदी सरनेम की वास्तविकता पर ही सवाल उठाते हुए राहुल के वकील अभिषेक मुन सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में यह भी कहा कि यह सरनेम किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं है। मसलन, सोहराब मोदी पारसी थे सैयद मोदी मुसलमान, जबकि ललित मोदी मारवाड़ी समुदाय से आते हैं।

तकनीकी दृष्टि से यह सही है कि राहुल को सूरत की अदालत ने दो वर्ष की सजा सुनायी और लोकसभा सचिवालय ने नियमानुसार तत्काल उनकी सदस्यता समाप्त कर दी। उनसे आनन-फानन में ही सांसदवाला बंगला भी खाली करा लिया गया, लेकिन इस पूरे प्रकरण के मूल में राजनीति को देख-समझ पाना मुश्किल भी नहीं। इसलिए राहुल को इस राहत पर कांग्रेस और भी आक्रामक होगी। कांग्रेस राहुल समेत नेहरू परिवार को निशाना बनाये जाने को मुद्दा बनाते हुए मतदाताओं की सहानुभूति हासिल करना चाहेगी, जबकि भाजपा इसे विशुद्ध न्यायिक प्रक्रिया बताते हुए राहुल के विरुद्ध लंबित अन्य मानहानि मामले भी गिनाएगी।

संकेत साफ है: संसद से सड़क तक सत्तापक्ष और विपक्ष में टकराव और बढ़ेगा ही। यह समझना मुश्किल नहीं होना चाहिए कि न सिर्फ राहुल, बल्कि कांग्रेस का मनोबल सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत से सातवें आसमान पर है, जिसका असर भाजपा ही नहीं, खुद विपक्षी एकता पर भी पड़ेगा। भाजपा शुरू से ही मोदी बनाम राहुल के चुनावी मुकाबले को अपने अनुकूल बताती रही है, लेकिन कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा के बाद राजनीतिक परिस्थितियां वैसी नहीं रह गयी हैं।

भारत जोड़ो यात्रा से न सिर्फ राहुल गांधी की छवि सुधरी है, बल्कि पस्तहाल कांग्रेस संगठन में नये उत्साह का संचार भी हुआ है। हालांकि गुजरात में कांग्रेस का प्रदर्शन शर्मनाक रहा, पर हिमाचल प्रदेश और फिर कर्नाटक में भाजपा से सत्ता छीनने के बाद देश की

सबसे पुरानी पार्टी का पुराना आत्मविश्वास लौटता दिख रहा है। बिना व्यापक एकता मोदी की भाजपा को न हरा पाने के अहसास के गहराते जाने के बाद विपक्षी एकता की कवायद ने भी गति पकड़ी है। दूसरी ही बैठक में विपक्ष न सिर्फ अपना कुनबा बढ़ाने में कामयाब रहा है, बल्कि अपने गठबंधन का नामकरण भी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस करने में सफल रहा, जिसका संक्षिप्त नाम इंडिया बनता है।

उम्मीद के मुताबिक इस नामकरण को अदालत में चुनौती भी दे दी गयी है। अपने खेमे में सेंधमारी के बीच भी विपक्ष एकता की जिस राह पर चल पड़ा है, उसमें कांग्रेस अग्रिम होते हुए भी नेतृत्व की दावेदारी से अभी तक बचती रही है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट से राहत के बाद मीडिया से बातचीत में राहुल ने याद दिलाया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि कांग्रेस का लक्ष्य सत्ता का नेतृत्व करना नहीं, बल्कि देशहित में भाजपा को हराना है, लेकिन राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि राहुल गांधी की सांसदी बहाली और अगला लोकसभा चुनाव लड़ने का मार्ग प्रशस्त हो जाने के बाद नेतृत्व के मुद्दे पर भी समीकरण बदलेंगे।

कांग्रेस अभी भी चार राज्यों : राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में सत्तारूढ़ है। अगर वह इसी साल होनेवाले विधानसभा चुनावों में राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्ता बरकरार रखते हुए मध्य प्रदेश में भी सत्ता हासिल कर तेलंगाना में बेहतर प्रदर्शन कर पाती है तो विपक्षी गठबंधन में न सिर्फ ज्यादा सीटों के लिए उसका दबाव बढ़ेगा, बल्कि लोकसभा चुनाव बाद सरकार बनने की स्थिति में नेतृत्व के लिए भी उसके दावे को नजरअंदाज कर पाना आसान नहीं होगा। विपक्षी एकता के सूत्रधार के रूप में नीतीश कुमार नेतृत्व की कतार में आगे समझे जा रहे थे, लेकिन बेंगलुरू बैठक के बाद संदेह और सवाल उठने शुरू हो गये हैं। हालांकि महाराष्ट्र में अपनी पार्टी को ही टूटने से नहीं बचा पाये, पर मराठा क्षत्रप शरद पवार को कम नहीं आंका जा सकता। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की सत्ता महत्वाकांक्षाएं भी छिपी नहीं हैं। ऐसे में, विपक्षी एकता के मुकाबले के लिए अचानक एनडीए का कुनबा बढ़ाने में जुटी भाजपा को उम्मीद है कि नेतृत्व के मुद्दे पर इंडिया में बढ़ सकनेवाला टकराव उसकी राह आसान कर देगा। राजनीति में कुछ भी असंभव या अस्वाभाविक नहीं होता, पर भविष्य से भी पहले अपना अस्तित्व बचाने की मजबूरी में एक होनेवाला विपक्ष फिर से बिखराव में निहित खतरों का जोखिम उठाना चाहेगा? हालांकि अगले लोकसभा चुनाव में अभी नौ महीने बाकी हैं, लेकिन एनडीए और इंडिया की कवायद से साफ है कि मुकाबला गठबंधनों के बीच होगा।

यह भी कि एनडीए का चेहरा मोदी होंगे तो इंडिया के स्टार प्रचारक निश्चय ही राहुल, जो मोदी और भाजपा पर सबसे ज्यादा मुखर आक्रामक हैं। अब राहुल की भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण भी तय माना जा रहा है, जो पोरबंदर से शुरू हो कर अगरतला में संपन्न होगी। इस यात्रा के जरिये इस साल के विधानसभा और अगले साल के लोकसभा चुनाव के लिए माहौल बनाते हुए राहुल की राजनीतिक छवि निखारने का काम भी जारी रहेगा ही। हां, **अभी भी तीन राज्यों :** ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के सत्तारूढ़ दल किसी गठबंधन में शामिल नहीं हुए हैं। ऐसे में राजनीतिक शक्ति संतुलन की चाबी फिलहाल उनके हाथ मानी जा सकती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

मुद्दा
योगेश सोनी

महिलाओं का गायब होते रहना चिंता का विषय

हाल ही में चल रही देश की गर्म राजनीति में बीते दिनों संसद में महिलाओं व बच्चियों के गायब होने का आंकड़ा नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा पेश किया गया जिसमें देश भर में 2019 और 2021 के बीच 18 साल से अधिक उम्र की 10, 61,648 महिलाएं और उससे कम उम्र की 2,51,430 लड़कियां लापता हो गईं। स्थिति यह है कि 2019 और 2021 के बीच तीन वर्षों में ही देश की 13.13 लाख से अधिक लड़कियां और महिलाएं गायब हो गईं। गायब होने में सबसे अधिक लगभग दो लाख मध्य प्रदेश से थी, उसके बाद पश्चिम बंगाल से लगभग 1,92,000 गायब हुई हैं। यदि आंकड़ों का और सूक्ष्म रुप से वर्गीकरण करके बताया जाए तो मध्य प्रदेश में 2019 और 2021 के बीच 1,60,180 महिलाएं और 38,234 लड़कियां गायब हो गई हैं। वहीं पश्चिम बंगाल से कुल 1,56,905 महिलाएं और 36,606 लड़कियां लापता हुई हैं। महाराष्ट्र में इस दौरान 1,78,400 महिलाएं और 13,033 लड़कियां लापता हुई हैं। ओडिशा में 70,222 महिलाएं और 16,649 लड़कियां गायब हुई, इसी दौरान छत्तीसगढ़ से 49,116 महिलाएं और 10,817 लड़कियां गायब हो गईं।

केंद्र शासित प्रदेशों की बात करें दो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्थिति काफी खराब है। केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे ज्यादा लड़कियों और महिलाओं के लापता होने की संख्या दिल्ली में ही दर्ज की गई हैं। सरकार की नाक के नीचे दिल्ली में भी बड़ी संख्या में महिलाएं और लड़कियां गायब हो रही हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2019 और 2021 के बीच 61,054 महिलाएं और 22,919 लड़कियां गायब हो गईं हैं, जबकि इसी अवधि में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से 8,617 महिलाएं और 1,148 लड़कियां लापता हो गई हैं। महिला सुरक्षा और बेटी बचाने के नारों के बीच देश भर से बड़ी संख्या में वह गायब भी हो रही है। गायब होने वाली महिलाओं और बेटियों के ताजा आंकड़े काफी चिंताजनक हैं। हम इसे ऊपरी तौर पर समझने में बिल्कुल भी सक्षम नहीं हो पाएंगे, लेकिन आज हम आपको इसकी सच व भयावह कहानी के विषय में बताने जा रहे हैं।

दरअसल देश के कुछ राज्यों से लडकियों को वेश्यावृति के लिए महानगरों व अन्य दूसरे राज्यों के लिए लाया जाता है। जिसमें पश्चिम बंगाल,आसम व मध्य प्रदेश के अलावा भी दो-तीन राज्य और हैं। इन राज्यों की कहानी यह है कि दलाल घरवालों से लड़कियों का काम दिलवाने के नाम पर ले जाते हैं लेकिन और फिर वह लड़कियों का वेश्यावृत्ति के धंधे में उतार देते हैं। इसके अलावा कुछ लोग अपनी मर्जी से ही अपने घर की महिलाओं से यह काम करवाते हैं। यदि हम आंकड़ों की बात करें तो वेश्यावृत्ति में पकड़े जाने वाली अधिकतर लड़कियां बंगाल की मिलती है। बीते दिनों दिल्ली में सेक्स रैकेट में पकड़ी जाने वाली जितनी महिलाएं थी उन सभी के पति शराबी थे। एक महिला ने बताया कि उसका पति पूरे दिन शराब पीता है,कोई काम नहीं करता और घर खर्च के नाम पर एक रुपया भी नहीं देता तो ऐसे में वह क्या करे। महिला ने यह भी बताया कि वह पढ़ी-लिखी नहीं है तो उसे कोई काम भी नहीं मिलता। इसके अलावा जो आंकड़े हैं उनमें कई तमाम लड़कियां लव-जिहाद की शिकार बनी और वह घर से बिना बताए घर छोड़कर चली जाती हैं। इस मामले में पहले तो घरवाले गुमशुदगी की एफआईआर करा देते हैं लेकिन कुछ दिनों बाद उनको शादी से संबंधित दस्तावेज कोरियर कर दिया जाता है। बच्चा चोर गैंग ने पूरे देश में आतंक मचा रखा है। बहरहाल, अब इसमें हम सरकार के किरदार व जिम्मेदारी की बात करते हैं तो इसमें शासन-प्रशासन पूर्णत फेल है। चूंकि घटनाक्रम चाहे कोई भी हो लेकिन इतने अधिक आंकड़े सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हैं। यदि कोई मकान मालिक अपने किराएदार की वेरिफिकेशन न कराए और दोनों के बीच कोई घटना घट जाए तो पुलिस मकान मालिक को इतना परेशान कर देती है जैसे उसने कोई बहुत बडा गुनाह कर दिया हो। आपदा से तो मनुष्य लड़ सकता है लेकिन किसी के गायब होने का दर्द कोई भी नहीं झेल पाता। जितने आंकड़े हैं यदि उनमें से दस प्रतिशत ही सही हैं तो भी महिलाओं व बच्चियों के गायब होने की एक बडी संख्या हैं। प्रशासन ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए अलग से हेल्पलाइन नंबर व ऐप बनाया है लेकिन इसके बावजूद स्थिति इतनी भयावह क्यों होती जा रही है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय व अन्य तमाम यूनिट महिलाओं के उत्थान व सुरक्षा के लिए बनाई गई हैं लेकिन बावजूद हाल इतना खराब है तो आखिर देश किस दिशा में जा रहा है?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं ये उनके अपने विचार हैं।)

बड़े भाग मानुष तनु पावा

संकलित
दर्शन

संवाद का ऐसा सांगोपांग निर्वहन संसार के किसी स्मृति साहित्य में नहीं मिलेगा, जो श्रीरामचरितमानस में है। पूरा मानस भक्त काकभुशुंडि और ज्ञानी पक्षीराज गरुड़ के बीच का संवाद है। भक्त काकभुशुंडि वक्ता हैं और ज्ञानी गरुड़ श्रोता हैं। भक्त प्रतिपादन कर रहा है और ज्ञानी जिज्ञासा कर रहा है। भक्त के प्रतिपादन में भावना का वह समुद्र लहराता है, जिसमें तनिक भी खारापन नहीं होता है और ज्ञानी की जिज्ञासा में कुतर्क का अभाव होता है। भक्त और ज्ञानी दोनों का परम उद्देश्य रामराज्य है, जो आचरण के उपादान के बगैर संभव नहीं है। समग्र रामकथा श्रवण के पश्चात पक्षीराज गरुण काकभुशुंडि जी से सात प्रश्नों की जिज्ञासा करते हैं। पहला प्रश्न पूछते हुए वह कहते हैं कि सबसे दुर्लभ शरीर कौन सा है? काकभुशुंडि जी उत्तर देते हैं कि मनुष्य शरीर सबसे दुर्लभ है, क्योंकि मैंने स्वयं भी इसी शरीर के रहते भगवान और उनकी भक्ति को पाया है। वह कहते हैं कि मनुष्य तन ही वह उपलब्धि है, जो मोक्ष सुख का अनुभव भी करा सकता है। स्वर्ग के सुख को लोग भले ही श्रेष्ठ मानते हों, पर अंत में वह भी अल्प है और दुख का कारण बनता है। भक्त के जीवन में जो प्राप्त शरीर है, वह भी आराध्य को पाने का उपादान होने के कारण पूज्य हो जाता है। संसार में भी किसी व्यक्ति के सहयोग से यदि हमें कुछ विशेष उपलब्धि हो गई हो तो हम जीवन भर उसके कृतज्ञ रहते हैं, उसी प्रकार काकभुशुंडि जी कह रहे हैं कि शरीर मिथ्या तो तब होगा, जब इसका उद्देश्य भोगों की प्राप्ति हो।

मित्रता मुश्किल समय के लिए एक भरोसा

संकलित
प्रेरणा

रामायण में हनुमान जी ने श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता करवाई थी। पहली मुलाकात में श्रीराम ने सुग्रीव से कहा कि मैं मेरी पत्नी सीता को खोज में जंगल-जंगल भटक रहा हूं, लेकिन आप तो राजा हैं। आप जंगल में क्यों रह रहे हैं? पहले सब ठीक था, लेकिन एक दिन हमारे राज्य में एक राक्षस आ गया तो बालि उसे मारने गया। सुग्रीव ने श्रीराम से अपना सारा वृतांत बताया कि कैसे भाई को गलतफहमी हुई। श्रीराम ने सुग्रीव की पूरी बात सुनी और कहा कि ठीक है मैं आपकी मदद करूंगा। पहले तो सुग्रीव को श्रीराम पर भरोसा नहीं हुआ। वह सोचने लगा कि बालि तो इतना बलवान है, राम उसे कैसे मार सकते हैं? ये कैसे मेरी मदद कर पाएंगे? सुग्रीव के चेहरे पर संदेह देखकर श्रीराम ने कहा कि सुग्रीव, अब मैं तुम्हारा मित्र हूं। मित्र के छह गुण हैं। पहला, अपने दोस्त के दुख में दुखी होना। दूसरा, मित्र के दुख को दूर करने का प्रयास करना। तीसरा, मित्र को गलत रास्ते पर जाने से रोकना। चौथा, लेन-देन के समय शंका न करना। पांचवां, हमेशा दोस्त का भला करना और छठा गुण है, विपत्ति के समय दोस्त के साथ खड़े रहना। ये सभी अच्छे मित्र के लक्षण हैं और तुम मुझे अपना मित्र समझ सकते हो। श्रीराम की बातें सुनकर सुग्रीव को उनकी बातों पर भरोसा हो गया। इसके बाद सुग्रीव ने भी सीता की खोज में मदद करने का वचन दिया। दोनों मित्रों ने एक-दूसरे की परेशानी को हल करने का संकल्प लिया।

अंतर्मन

आज की पाती

युवाओं की बढ़ती आत्महत्याओं का कारण पढ़ाई में हार

देश में युवाओं के बढ़ते सुसाइड के मामले में समाज की चिंताएं में दिन प्रतिदिन इजाफा हो रहा है। आत्म हत्या करने वाले युवा विधार्थियो और बेरोजगार युवा की संख्या बढ़ती ही जा रही है। यह सभ्य समाज के लिए कठिन डगर है। माता पिता पर पड़ने वाला बोझ असमय उनको वृद्धावस्था की और धकेल रहा है। देश में युवाधन इस राह पर चल पड़ेगा यह तो किसी को पता नहीं था। विगत एक दशक से युवा पढाई का बोझ लेकर चिंता में रहता है। इसको केस के आधार पर डील किया जाता है। लेकिन कभी किसी में सतह पर जाकर आत्महत्या की गुत्थी को सुलझाने का प्रयास ही नही किया। लेकिन यह सर्वविदित है कि देश में युवाओ की मौत का असली कारण पढाई का बोझ और अभिभावकों का शिक्षा के लिए बढ़ता टॉर्चर कारणभूत है। जिसका कोई औचित्य नही है। *-कांतिलाल मांडोत, सूरत*

ट्रेंड

आध्यात्मिक पर्यटन

जिसे आध्यात्मिक पर्यटन के रूप में वर्णित किया जा सकता है, उसके लिए पुडुचेरी एक अद्भुत गंतव्य है। आध्यात्मिक पर्यटन तेजी से वैश्विक चलन बनता जा रहा है। इसमें इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को मजबूत बढ़ावा देने की क्षमता है।

-द्रोपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

प्रतिक्रिया व्यक्त करें

यदि आप प्रतिक्रिया व्यक्त करने की स्थिति में हैं, तो जरूर करें वरना तो कोई भी और कुछ भी आपके जीवन का अपने नियंत्रण ले सकता है। सचेत प्रतिक्रिया ही आगे बढ़ने का रास्ता है। इसलिए प्रतिक्रिया जरूर व्यक्त करें।

-सदगुरु, आध्यात्मिक गुरु

समर्थन की जरूरत

क्रिकेट प्रशंसकों से छोटा सा अनुरोध, भारतीय टीम को नजरअंदाज न करें। एकता दिखाएं, खिलाड़ियों पर व्यक्तिगत पसंद से विभाजित न हों। रोहित और द्रविड़ ने बुमराह जैसे सितारों के बिना भी बड़े टूर्नामेंट खेले हैं। विश्व कप घर आ रहा है, टीम को आपके समर्थन की जरूरत है।

-मोहम्मद कैफ, क्रिकेटर

बहुत पसंद आया

दा नाइट मैनेजर को देखा। बेहतरीन शो है। सभी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन मेरे दोस्त अनिल कपूर अभिनेता के रूप में परिपक्व हो रहे हैं। आपका सुंदर सूक्ष्म और सशक्त प्रदर्शन बहुत पसंद आया।

-अनुपम खेर, अभिनेता

करंट अफेयर

ब्रिटेन में विद्यार्थियों की स्नातक डिग्री अटकी

ब्रिटेन में श्रम विवाद के कारण व्याख्याताओं ने परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने से इनकार कर दिया है जिससे हजारों विद्यार्थियों को स्नातक की डिग्री नहीं मिल पा रही है। हफ्सा यूसुफ पिछले सप्ताह स्नातक करने वाली थीं। अंग्रेजी साहित्य की छात्रा यूसुफ ने समारोह में भाग लेने के लिए 200 पाउंड खर्च करके 'ग्रेजुएशन गाउन' की व्यवस्था करने के साथ फोटोग्राफी तथा अपने परिवार के लिए टिकट का प्रबंध किया। लेकिन समारोह से ठीक दो हफ्ते पहले, लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ने उन्हें एक ई-मेल भेजा जिसमें कहा गया कि ब्रिटेन में अकादमिक कर्मचारियों द्वारा की गई हड़ताल के कारण अभी वह स्नातक की डिग्री हासिल नहीं कर सकेंगी। करीब 140 विश्वविद्यालयों के व्याख्याताओं ने वेतन और कामकाजी परिस्थितियों को लेकर विवाद के बीच उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने और पठन-पाठन गतिविधियों में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया है। यूसुफ ने कहा, 'मूल्यांकन प्रक्रिया का बहिष्कार किए जाने के कारण, मैं स्नातक होने में सक्षम नहीं हूं। हम सभी ने समय पर सभी शुल्क का भुगतान किया, बस दो सप्ताह पहले एक ई-मेल मिला कि आप समारोह में नहीं आ सकते।'

ऑफ बीट

आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे

क्षुद्रग्रह हमारे सौर मंडल के निर्माण के बाद बचे चट्टानों के टुकड़े हैं। चार मीटर से अधिक व्यास वाले लगभग आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा करते रहते हैं, जो हमारे सौर मंडल से लगभग 30 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से गुजरते हैं - लगभग पृथ्वी के समान गति से। ज्यादातर मामलों में, सबसे छोटे क्षुद्रग्रह पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने पर काफी हद तक टूट जाते हैं, और सतह तक भी नहीं आ पाते हैं। जब एक छोटा क्षुद्रग्रह (या उल्कापिंड, क्षुद्रग्रह से छोटी वस्तु) पृथ्वी के वायुमंडल से टकराता है, तो यह एक चमकीला 'आग का गोला' बन जाता है - एक शूटिंग स्टार या उल्का का एक बहुत लंबे समय तक चलने वाला और उजला संस्करण। यदि वस्तु का कोई बचा हुआ टुकड़ा जमीन से टकराता है, तो उसे उल्कापिंड कहा जाता है। अधिकांश वस्तु वायुमंडल में जल जाती है। प्रति वर्ष एक बार, औसतन, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह से टकराता है। यदि आपने उस सतह क्षेत्र को दोगुना कर दिया, तो आपको प्रति वर्ष दो मिलेंगे। पृथ्वी की त्रिज्या 6,400 किमी है। दोगुने सतह क्षेत्रफल वाले एक गोले की त्रिज्या 9,000 किमी है। तो, प्रति वर्ष लगभग एक बार, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह के 2,600 किमी के भीतर आएगा - 9,000 किमी और 6,400 किमी के बीच का अंतर।

खबर संक्षेप

दिल्ली के एम्स में आग इमरजेंसी बंद

नई दिल्ली। एम्स अस्पताल के एंडोस्कोपी रूम में आग लग गई है। वार्ड से सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की 6 गाड़ियां पहुंचीं और आग पर काबू पाया। आग आपातकालीन वार्ड के ऊपर एंडोस्कोपी कक्ष में दोपहर करीब 12 बजे लगी। इसके बाद अस्थाई रूप से इमरजेंसी वार्ड बंद कर दिया है। मरीजों को सफदर जंग अस्पताल जाने की सलाह दी जा रही है।

चीतों को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई बंद

नई दिल्ली। कूनो में चीतों की मौत का मामले में सुप्रीम कोर्ट ने चीता प्रोजेक्ट केंद्र पर छोड़ दिया है। कोर्ट ने सुनवाई बंद की। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस प्रशांत मिश्रा की पीठ ने आदेश में कहा कि 11 एक्सपर्ट कमेटी काम कर रही है। चार विशेषज्ञ है। एक विशेषज्ञ प्रक्रिया पर आपत्ति जताई है कि दुनिया भर में चीता संरक्षण के विशेषज्ञों से सलाह नहीं ली जा रही है।

चेतन की 11 अगस्त तक बढ़ाई गई रिमांड

मुंबई। जयपुर-मुंबई सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन के बी5 कोच के भीतर अपने सहयोगी, आरपीएफ सहायक उप-निरीक्षक टीकाराम मीना और 3 अन्य यात्रियों की गोली मारकर हत्या करने वाले रेलवे सुरक्षा बल कांस्टेबल चेतन सिंह की पुलिस रिमांड सोमवार 11 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। मुंबई की एक अदालत ने सुनवाई करते हुए रिमांड बढ़ाने का आदेश दिया।

23 नेताओं ने गुलाम नबी का साथ छोड़ा

नई दिल्ली। सोमवार सुबह राहुल गांधी की सांसदी बहाल हो गई तो वहीं दोपहर में जम्मू कश्मीर के 23 नेताओं ने कांग्रेस का दामन थाम लिया। यह सभी नेता पहले कांग्रेस में थे लेकिन किन्हीं कारणों से उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। दिल्ली में कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मौजूदगी में ये 23 नेता फिर से कांग्रेस में शामिल हुए। बता दें कि यह सभी नेता आजाद की पार्टी में शामिल थे।

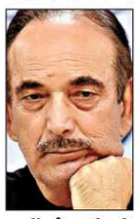

जातीय गणना पर रोक से कोर्ट का इंकार

पटना। सुप्रीम कोर्ट ने जातीय गणना पर पटना हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। बिहार में जातीय गणना पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को रोक लगाने से इंकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि जब तक सुनवाई नहीं होती है तक कोई रोक नहीं लगेगा। इस मामले में अब अगली सुनवाई 14 अगस्त को होगी। हालांकि इससे पहले बिहार में जातीय गणना की प्रक्रिया को तेजी के साथ पूरी की जा चुकी है।

क्या गाय को राष्ट्रीय पशु माना जाए?

नई दिल्ली। भाजपा के लोकसभा सांसद भागीरथ चौधरी ने सोमवार को संसद में सवाल किया है कि क्या सरकार 'गौमाता' (गाय) को 'राष्ट्रीय पशु' के रूप में मान्यता देने का इरादा रखती है। एक लिखित प्रश्न में केंद्रीय संस्कृति मंत्री से जवाब चाहा था। जिनमें यह भी शामिल था। उनके सवाल के लिखित उत्तर में सोमवार को संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने कोई सीधा जवाब नहीं दिया।

पड़ोसी देशों के बीच ट्रेन सेवा असम से संचालित की जाएगी

रेल में बैठकर जा सकेंगे भूटान, 2026 तक बिछ जाएगी पटरी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

ट्रेन में आपने देशभर की यात्राएं की होंगी लेकिन, अब भारतीय रेलवे अपने यात्रियों के लिए विदेश तक की यात्रा प्लान कर रहा है। योजना यह है कि आप रेल में बैठकर विदेश की सैर कर सकेंगे। मोदी सरकार भूटान और भारत के बीच अंतरराष्ट्रीय ट्रेन सेवाएं शुरू करने जा रहा है। पड़ोसी देशों के बीच ट्रेन सेवा असम से संचालित की जाएगी और इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच पर्यटन में सुधार करना होगा। रेलवे लाइन का कार्य साल 2026 तक पूरा करने का है। इस मामले की जानकारी विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने सोमवार को दी। उन्होंने कहा कि भूटान पर्यटकों की आवाजाही के लिए 'बहुत उत्सुक' है।

खास बातें

- दोनों देशों के बीच पर्यटन में सुधार करने का है उद्देश्य
- रेलवे लाइन का कार्य 2026 तक पूरा होने की उम्मीद
- भूटान पर्यटकों की आवाजाही के लिए है 'बहुत उत्सुक'

"सरकार की योजना यह है कि आप रेल में बैठकर विदेश की सैर कर सकेंगे। मोदी सरकार भूटान और भारत के बीच अंतरराष्ट्रीय ट्रेन सेवाएं शुरू करने जा रहा है। भूटान और असम के बीच रेल लिंक पर बातचीत चल रही है।

भूटान से चल रही विशेष चर्चा

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत सरकार भूटान और असम के बीच रेल लिंक पर भूटानी शासन के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा कि भूटान पर्यटकों के लिए और अधिक स्थान खोलने का इच्छुक है और रेल संपर्क असम के लिए भी फायदेमंद है। डॉ जयशंकर ने कहा हम भूटान और असम के बीच रेल लिंक पर बातचीत कर रहे हैं, भूटान पर्यटकों के लिए और अधिक प्वाइंट खोलने के लिए बहुत उत्सुक है और यह असम के लिए बहुत अच्छा है।

नेपाल-बांग्लादेश से भी कनेक्टिविटी

जयशंकर ने यह भी बताया कि भारत नेपाल और बांग्लादेश के साथ कनेक्टिविटी बढ़ाने पर काम कर रहा है। जयशंकर ने पिछले नौ वर्षों में चीन के साथ सीमा सहित सीमा पर बुनियादी ढांचे में वृद्धि को भी संबोधित किया।

पहली बार विदेश तक बिछेंगी रेलवे लाइन

यह भारत और भूटान के बीच पहला रेलवे कनेक्शन है और इसके 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। भारत सरकार 57 किलोमीटर लंबे रेलवे लिंक का खर्चा खुद वहन करेगी। भूटान के विदेश मंत्री डॉ. टांडी दोरजी ने इस साल अप्रैल में कहा था कि भूटान सरकार पहले इस परियोजना पर काम करेगी और फिर समत्से, फुएंतशोलिंग, नंगंगलाम और समद्रुपजोंगखार जैसे अन्य क्षेत्रों को जोड़ने पर विचार करेगी।

चुनौतियां क्या हैं

विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार इस साल म्यांमार के साथ तटीय शिपिंग समझौता करने पर विचार कर रही है। हालांकि, डॉ. जयशंकर ने कहा कि देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति के कारण म्यांमार त्रिपक्षीय राजमार्ग एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा म्यांमार के साथ सीमा की स्थिति चुनौतीपूर्ण है। सिटवे बंदरगाह चालू है और हमें उम्मीद है कि इस साल तटीय शिपिंग समझौता संपन्न हो जाएगा। कानून-व्यवस्था की स्थिति के कारण म्यांमार त्रिपक्षीय राजमार्ग एक बड़ी चुनौती है, हम चुनौतियों से निपटने के लिए म्यांमार के अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं।

लोकसभा में इसे 3 अगस्त को पेश किया गया था और इसी दिन पास भी कर दिया गया

आप सांसद ने शायरी के साथ कसा भाजपा पर तंज बोले-जब नाश मनुज पर छाता है...!

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सेवा विधेयक सोमवार को राज्यसभा में पेश किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे सदन की पटल पर रखा। आप, कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने इस बिल का विरोध किया है। इस बिल पर आप सांसद राघव चड्ढा ने कवि रामधारी सिंह दिनकर की कविता पढ़ते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राघव चड्ढा ने कहा, मैं केवल दिल्ली के लोगों की ओर से नहीं बल्कि पूरे देश की जनता की तरफ से बोल रहा हूं।

नेहरूवादी नहीं अटल-आडवाणीवादी बनिए

राघव बोले- गृहमंत्री अमित शाह कह रहे थे कि पं. नेहरू दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के पक्ष में नहीं थे। मैं उन्हें बता दूं कि लाल कृष्ण आडवाणी संसद दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए बिल लेकर आए थे। अटल जी, आडवाणी जी, सुषमा स्वराज और मदन लाल खुराना ने दिल्ली को पूर्ण राज्य बनाने के लिए संघर्ष किया था। आप ये बिल लाकर उनके संघर्ष का अपमान कर रहे हो। आपके पास मौका है- नेहरूवादी नहीं अटल-आडवाणीवादी बनिए।

आप और कांग्रेस ने जारी किया था व्हिप

कांग्रेस और आप ने अपने सांसदों को राज्यसभा में मौजूद रहने के लिए व्हिप जारी किया था। वहीं, आप सांसद राघव चड्ढा, कांग्रेस सांसद जेबी माथेर और नसीर हुसैन ने राज्यसभा में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए रुल 267 के तहत नोटिस दिया।

राज्यसभा का क्या है गणित?

दिल्ली सेवा बिल पर चर्चा के बीच एक बार राज्यसभा का गणित भी समझ लेते हैं। बता दें कि राज्यसभा में कुल सांसद 238 हैं। बीएसपी का राज्यसभा में 1 सांसद है। ऐसे में बसपा बायकॉट करती है, तो कुल सांसद 237 होंगे और बहुमत के लिए 119 सांसदों की जरूरत पड़ेगी। विपक्षी दलों के गठबंधन 'INDIA' पर 105 सांसद हैं।वहीं, भाजपा के राज्यसभा में 92 सांसद हैं। इनमें 5 मनोनीत सांसद हैं। जबकि सहयोगी दलों को मिलाकर यह 103 हो जाते हैं। भाजपा को दो निर्दलीय सांसदों का भी समर्थन है। इसके अलावा दिल्ली सेवा बिल पर वाईएसआर, बीजेडी और टीडीपी ने केंद्र का समर्थन करने का ऐलान किया। बीजेपी और वाईएसआर कांग्रेस के राज्यसभा में 9-9 सांसद हैं।

विपक्ष ने किया हंगामा

कवि दिनकर की कविताओं को बनाया हथियार

नेहरु नहीं अटलवादी बनने की दी सीख

संसद को कानून बनाने का अधिकार: सुधांशु त्रिवेदी

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि संसद को दिल्ली पर कानून बनाने का अधिकार है। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा- आप ने पंजाब और दिल्ली से कांग्रेस को साफ कर दिया, गुजरात में वोट हाफ कर दिया फिर भी कांग्रेस ने इनको माफ कर दिया।

सिंघवी बोले- बिल का मकसद डर पैदा करना है

कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि बिल का मकसद डर पैदा करना है। जो लोग इसका समर्थन कर रहे हैं या समर्थन करने की घोषणा कर चुके हैं, उन्हें यह सोचना चाहिए कि सबका नंबर आ सकता है। उन्होंने कहा कि लालकृष्ण आडवाणी जब होम मिनिस्टर थे, तो दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए बिल लाए थे। भाजपा ने पूर्ण राज्य के मुद्दे पर दिल्ली के दो चुनाव जीते थे। आज हम यह मांग कर रहे हैं कि संविधान ने जो अधिकार दिल्ली को दिए हैं, उन्हें मत छीनिए। सिंघवी के बोलने का समय खत्म होने के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति जगदीप धनखड़ से उन्हें और 10 मिनट देने के लिए कहा।

गोगोई ने कहा बहस से कोई लेना देना नहीं

पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई सोमवार को पहली बार बतौर सांसद राज्यसभा में दिल्ली बिल का समर्थन करते हुए बोले अध्यादेश से संबंधित दो प्रश्न सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ को भेजे गए हैं, इसका सदन में बहस से कोई लेना-देना नहीं है।

महाभारत का जिक्र कर सुनाई कविता

आम आदमी पार्टी के सांसद ने कहा, मैं महाभारत के अंश का जिक्र करना चाहूंगा जिसे कवि रामधारी सिंह दिनकर ने एक बड़ी अच्छी कविता में लिखकर बताया है। जिसमें भगवान श्री कृष्ण एक शांति दूत बनकर पाड़वों की ओर से शांति का प्रस्ताव लेकर हस्तिनापुर गए थे। आप सांसद ने संसद में दिनकर की कविता पढ़ते हुए कहा, दुर्योधन को समझाने को, भीषण विध्वंस बचाने को, भगवान हस्तिनापुर आए, पांडव का संदेशा लाए। दो न्याय अगर तो आधा दो, पर इसमें भी यदि बाधा हो, तो दे दो केवल पांच ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम। उन्होंने आगे सुनाया, हम वहीं खुशी से खायेंगे, परिजन पे असी ना उठाएंगे। दुर्योधन वह भी दे ना सका, आशीष समाज की न ले सका उलटे हरि को बांधने चला, जो था असाध्य साधने चला। जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है।

इन दलों पर साधा निशाना

बीजू जनता दल और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए आप सांसद ने कहा, मैं उड़ीसा और आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ पार्टियों से कहना चाहूंगा कि आपकी कुछ तो मजबूरी होगी जो आप केंद्र सरकार को सपोर्ट कर रहे हैं। एक शेर है कि कुछ तो मजबूरियां रही होंगी, यूं ही कोई बेवफा नहीं होता, लेकिन मैं आपको बता दूं कि अगर आग यहां लगेगी तो बहुत दूर तक जाएगी। शायर राहत इंदौरी का एक शेर सुनाते हुए उन्होंने कहा, अगर खिलाफ हैं होने दो जान थोड़ी है, ये सब धुआं है कोई आसमान थोड़ी है, लगेगी आग तो आएंगे घर कई जद में, यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है। आज आप हमारे साथ नहीं हैं, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि जब आपके घर में आग लगेगी तो हम आपके साथ खड़े रहेंगे।

पक्ष और विपक्ष

बिल का समर्थन कर रहे दल

भाजपा,वाईएसआर, एआईएडीएमके,आरपीआई,टीडीपी,असम गण परिषद, पट्टाली मक्कल काची, तमिल मनीला कांग्रेस, एनपीपी, एमएनएफ, यूपीपी(लिबरल)।

बिल का विरोध करने वाले दल

कांग्रेस,टीएमसी,आप,डीएमके,सीपीआई एम,जेडीयू,शिवसेना (उद्धव गुट),एनसीपी (शरद पवार), जेएमएम, सीपीआई,आईयूएमएल केरल

11 सितंबर को अगली सुनवाई

बच गई सांसदी, दो साल की सजा-जुर्माना पर रोक

आगरा। पूर्व केंद्रीय मंत्री व इटावा से सांसद राम शंकर कठेरिया को सजा के मामले में दाखिल अपील को सत्र न्यायालय ने स्वीकृत कर लिया। विशेष मजिस्ट्रेट एमपी/एमएलए कोर्ट द्वारा शनिवार को सुनाई गई दो वर्ष की सजा और 50 हजार रुपये जुर्माने को स्थगित कर दिया है। मामले में सुनवाई के लिए जिला जज ने 11 सितंबर की तिथि तय की है। सांसद के अधिवक्ताओं की ओर से सजा के विरुद्ध जिला जज की अदालत में अपील दाखिल की गई थी। जिस पर दोपहर बाद सुनवाई के बाद अपील को स्वीकृत करते हुए सत्र न्यायालय ने सजा और जुर्माना स्थगित कर दिया। मामले में अगली सुनवाई अब 11 सितंबर को नियत की गई है।

ये था मामला

नवंबर 2016 में साकेत माल स्थित टोरेंट के कार्यालय में मैनेजर से मारपीट और बलवे के आरोप में आगरा के तत्कालीन सांसद (वर्तमान में इटावा) राम शंकर कठेरिया के विरुद्ध हरीपर्वत थाने में अभियोग दर्ज किया गया था। मामले में पुलिस ने राम शंकर कठेरिया के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। विशेष मजिस्ट्रेट एमपी/एमएलए कोर्ट ने उन्हें बलवा और मारपीट को दोषी माना था। कोर्ट ने सांसद को वर्ष की सजा और 50 हजार जुर्माने से दंडित किया था।

अमेरिकी अखबार का बड़ा खुलासा

मोदी विरोधी 'न्यूज क्लिक' को चीन से की गई फंडिंग

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

चर्चित न्यूज वेबसाइट न्यूज क्लिक का चीनी कनेक्शन सामने आया है। अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स ने समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक के विदेशी कनेक्शन का खुलासा किया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने 5 अगस्त 2023 को ये रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में शिकागो को शंघाई से जोड़ने वाले एक विशाल वित्तीय नेटवर्क का खुलासा किया गया है। अमेरिकी अखबार के मुताबिक यह नेटवर्क कथित तौर पर वैश्विक स्तर पर चीनी प्रचार को बढ़ा रहा है।

चीनी इशारे पर काम करते हैं

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक नेविल रॉय सिंघम के साथ मैसाचुसेट्स में एक थिंक टैंक, मैनहटन की एक संस्था, दक्षिण अफ्रीका में एक राजनीतिक दल, भारत और ब्राजील में समाचार संगठन सहित कई ग्रुप जुड़े हैं, जो कि चीनी इशारे पर काम करते हैं। अमेरिकी दैनिक अखबार लिखता है कि नेविल रॉय सिंघम के बारे में अटकलें ट्विटर पर स्व-वर्णित फासीवाद-विरोधी लोगों के बीच उभरीं।

उनके बाद न्यू लाइन्स और दक्षिण अफ्रीकी खोजी आउटलेट में रिपोर्टें आईं। सिंघम से जुड़े एक समाचार संगठन पर चीनी सरकार से संबंध रखने का आरोप लगाते हुए छापा मारा था। अमेरिकी अखबार लिखता है कि नई दिल्ली में कॉरपोरेट फाइलिंग से पता लगा है।

सीकर में कलाम कोचिंग पर ईडी का छापा, रीट पेपरलीक मामले को लेकर पूछताछ

सीकर, (निसं)। सीकर में नवलगढ़ रोड पर कलाम कोचिंग में सोमवार को ईडी की रेड पड़ी हैं। ईडी के करीब 12 अफसर 3 गाड़ियों में सवार होकर कोचिंग पर पहुंचे हैं। सुरक्षा के लिहाज से कोचिंग के बाहर सीआरपीएफ के 3 जवान भी तैनात किए गए हैं। वहीं पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने ईडी की कार्रवाई पर कहा कि, उनका कोचिंग से कोई लेना-देना नहीं हैं। जानकारी अनुसार राजस्थान हुए रीट पेपर लीक मामले को लेकर ईडी यहां जांच पड़ताल कर रही है। सोमवार सुबह भी ईडी के अफसर कोचिंग पहुंचे तो सभी हैरत में पड़ गए। उनके साथ सीआरपीएफ के जवान भी थे। अफसर सीधे कोचिंग के अंदर गए और जवान बाहर खड़े रहे। उन्होंने कागज देखकर पूछताछ की। कलाम कोचिंग आरएएस सहित अन्य कई बड़ी भर्ती परीक्षाओं की तैयारी करवाती है। ईडी की कार्रवाई होने पर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा का भी बयान आया हैं।

नूंह हिंसा में 150 आरोपी चिह्नित किए गए

छापेमारी: यूपी और राजस्थान में छिपे हैं नूंह हिंसा के आरोपी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा के आरोपी इस समय भूमिगत हो गए हैं। नूंह हिसा के आरोपियों की तलाश में इस समय खुफिया एजेंसियां और हरियाणा पुलिस छापेमारी कर रही है। नूंह हिंसा के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ को लगाया गया है। हरियाणा के नूंह हिंसा में 150 आरोपी चिह्नित किए गए हैं। अब इन सभी आरोपियों को पकड़ने के लिए एसटीएफ लगाई गई है। नूंह हिंसा के करीब 150 आरोपी राजस्थान और यूपी में छिपे हैं। हरियाणा सरकार ने हरियाणा पुलिस की एसटीएफ को हिंसा के सभी आरोपियों को पकड़ने की जिम्मेदारी सौंपी है।

200 आरोपी अभी तक गिरफ्तार

जानकारी है कि करीब 100 आरोपी राजस्थान और उत्तर प्रदेश में छिपे हुए हैं। नूंह हिंसा के करीब 200 आरोपी अभी तक गिरफ्तार किया जा चुका है। जबकि 100 के आसपास हिरासत में हैं। एसटीएफ को अब बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी का जिम्मा सौंपा गया है। मेवात में हिंसा करने के बाद फरार हुए आरोपी अब एसटीएफ के रडार पर हैं।हरियाणा के नूंह में हिंसा के सैकड़ों आरोपी अभी फरार हैं। हरियाणा पुलिस के पास करीब 100 आरोपियों के राजस्थान और यूपी में जाकर छिपे होने की सूचना है।

डाटा प्रोटेक्शन बिल लोकसभा से पास

नियम तोड़ने पर लगेगा कम से कम 50 करोड़ का जुर्माना

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

लोकसभा में सोमवार को डाटा प्रोटेक्शन बिल पास हो गया।

डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल, 2023 को ध्वनिमत से लोकसभा में पारित किया गया। इस बिल के अनुसार नियमों का उल्लंघन करने वाली संस्थाओं पर न्यूनतम 50 करोड़ रुपए और अधिकतम 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

सोशल मीडिया की मनमानी नहीं चलेगी

डाटा प्रोटेक्शन बिल के लागू होने के बाद सरकार सोशल मीडिया कंपनियों की मनमानी पर लगाम लगा सकेगी। जब भी कोई कंपनी किसी शख्स की निजी जानकारी को इकट्ठा करना चाहेगी तो इसके लिए उसे संबंधित व्यक्ति से इजाजत लेनी होगी। इस बिल के तहत किसी के व्यक्तिगत डेटा को तभी लिया जा जा सकता है जब संबंधित व्यक्ति ने इसके लिए सहमति दी हो। हालांकि राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के मामलों में इसके लिए अनुमति की जरूरत नहीं होगी।

कड़ी सुरक्षा के बीच ज्ञानवापी में चौथे दिन एएसआई की टीम का सर्वे जारी

एएसआई ने अपनी 42 सदस्यीय टीम को बांटा है

हिंदु पक्ष ने कहा सर्वे से संतुष्ट

संरचना और वास्तुकला का विस्तृत वैज्ञानिक नजर से हो रहा अध्ययन, आएगी विस्तृत रिपोर्ट

एजेंसी ⏭ वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर में लगातार चौथे दिन सोमवार को भी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) टीम का सर्वे कर रही है।

सावन के पांचवें सोमवार पर बाबा विश्वनाथ के दरबार में उमड़ रही भीड़ को देखते हुए निर्धारित समय की वजाय वैज्ञानिक सर्वेक्षण कार्य के लिए एएसआई की टीम कड़ी सुरक्षा के बीच पूर्वाह्न 11.30 बजे ज्ञानवापी पहुंची, जहां कड़ी की सुरक्षा की के बीच सर्वे किया जा रहा है।

चार टीमें अलग-अलग हिस्सों का कर रहीं सर्वे

गौरतलब हो कि ज्ञानवापी के सर्वे में अब तक गुंबद के भीतरी, बाहरी और उसके आसपास मिले धार्मिक आकृतियों की फोटो और वीडियोग्राफी कराने के साथ मैपिंग भी हुई है। टीम ने मस्जिद के कंगूरों का अध्ययन किया और इसकी बनावट आदि की मैपिंग की है। ज्ञानवापी परिसर के अंदर एएसआई की चार टीमों ने अलग-अलग हिस्सों में दीवारों, छत, ताखा व खंभों पर अंकित चित्रों को देखा। साथ ही उनके आकार, प्रकार को रिकॉर्ड में दर्ज कर वीडियोग्राफी भी कराई गई। एएसआई टीम को गुंबदों के सर्वे के दौरान गोलाकार छत में नागर शैली की डिजाइनें मिली हैं। ज्ञानवापी के हॉल में तीनों गुंबद की डिजाइनों की भी फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई गई।

इंतजामिया कमेटी कर रही सहयोग

उधर हिन्दू पक्ष के ही अधिवक्ता वकील सुधीर त्रिपाठी ने बताया कि सर्वे का काम चल रहा है। सर्वे में अंजुमन इंतजामिया कमेटी भी सहयोग कर रही है। उन्होंने बताया कि आज गुंबद के पास सर्वे होगा। रविवार को भी वहां जांच हुई थी। हिन्दू पक्ष की वादिनी मंजू व्यास ने पत्रकारों को बताया कि सर्वे से हम संतुष्ट हैं। टीम अच्छे से अपना काम कर रही है।

पूरे परिसर का हो रहा सर्वे

दरअसल, चौथे दिन एएसआई की टीम तीनों गुंबद की थीडी इमेजिंग, मैपिंग के साथ डिजिटल नक्शे में फोटोग्राफ को शामिल करेंगी। टीम को ज्ञानवापी परिसर की सभी चाबियां मिल गई हैं। गुंबद और सीढ़ी का ताला खुलवाकर सर्वे कार्य किया गया। वहीं हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के मुताबिक सर्वे सुबह 11 बजे शुरू हुआ और दोपहर 12:30 बजे तक चला, फिर यह दोपहर 2:30 से शाम पांच बजे तक चला। उन्होंने कहा कि यह एक वैज्ञानिक सर्वेक्षण है और अधिवक्ता आयोग के सर्वेक्षण से अलग है। यह सोचना गलत है कि हर दिन कुछ नया मिलेगा क्योंकि संरचना और वास्तुकला का विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन हो रहा है। जब एएसआई की रिपोर्ट आएगी तब हमें निष्कर्ष का पता चलेगा। उन्होंने कहा कि एएसआई की रिपोर्ट में दूध का दूध का पानी का पानी सब कुछ आ जाएगा। पूरे परिसर का सर्वे हो रहा है। एएसआई ने अपनी 42 सदस्यीय टीम को बांटा है।

... जिनके दम पर आज हम हैं आजाद

कोतवाल धनसिंह

1857 की क्रांति में कोतवाल धनसिंह का अहम योगदान था। क्रांति के समय अंग्रेज अफसरों के आदेश के बावजूद धनसिंह ने क्रांतिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। इस दौरान धन सिंह कोतवाल ने अपनी जान पर खेलकर क्रांतिकारियों को अहम सूचनाएं भी पहुंचाई। इसीलिए अंग्रेज सरकार ने उन्हें फांसी की सजा सुनाई।

मंगल पांडे

1857 की क्रांति में शहीद मंगल पांडे का भी विशेष योगदान है। इस क्रांतिकारी के बारे में अनेक

भ्रांतियां हैं, लेकिन मंगल पांडे अंग्रेज सेना में होते हुए मेरठ के क्रांतिकारियों से जुड़े हुए थे। मंगल पांडे के कारण ही मेरठ से 10 मई 1857 की क्रांति की शुरूआत हुई। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि 10 मई 1857 को जिस क्रांति की शुरूआत मेरठ से हुई थी। उसका श्रेय मंगल पांडे को जाता है।

बाबू कुंवर सिंह

सन 1857 की 10 मई को मेरठ के भारतीय सैनिकों की स्वतंत्रता का उद्घोष के दौरान बाबू कुंवर सिंह मेरठ में थे। क्रांति का समाचार मिलते ही इन्होंने मेरठ से पूरे देश में जासूसों का जाल बिछा दिया। छावनी के भारतीय सैनिक तो तैयार ही बैठे थे। तीन पलटनों ने स्वराज की घोषणा करते हुए अंग्रेजों के खिलाफ शस्त्र उठा लिये। छावनी के अंग्रेजों मारकर क्रांतिकारी भारतीय सैनिक दिल्ली की ओर चल पड़े। सैनिक जानते थे कि अंग्रेजों से लडने के लिये कोई योग्य नेता होना जरूरी है। जिसके लिए बाबू कुंवर सिंह भारतीय सैनिकों को दिशा-निर्देश दे रहे थे।

नाहर सिंह

1857 क्रांति के समय बागपत (तत्कालीन मेरठ) के पास जाटों की एक रियासत थी। इस रियासत के नवयुवक राजा नाहर सिंह बहुत वीर, पराक्रमी और चतुर थे। दिल्ली के मुगल दरबार में उनका बहुत सम्मान था और उनके लिए सम्राट के सिंहासन के नीचे ही सोने की कुर्सी रखी जाती थी। मेरठ के क्रांतिकारियों ने जब दिल्ली पहुंचकर उन्हें ब्रितानियों के चंगुल से मुक्त कर दिया और मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर को फिर सिंहासन पर बैठा दिया तो सवाल आया कि दिल्ली की सुरक्षा का दायित्व किसे दिया जाए? इस समय तक शाही सहायता के लिए मोहम्मद बख्त खां पंद्रह हजार की फौज लेकर दिल्ली पहुंच चुके थे। उन्होंने भी यही उचित समझा कि दिल्ली के पूर्वी मोर्चे की कमान राजा नाहर सिंह के पास ही रहने दी जाए।

रिचर्ड विलियम्स

प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जहां भारत की

जनता ने पग-पग पर क्रांतिकारियों का साथ दिया। वहीं कुछ अंग्रेजों ने भी इसमें भारत की स्वतंत्रता के लिए शस्त्र उठाकर स्वतंत्रता सेनानियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी। इनमें से एक थे रिचर्ड विलियम्स। ब्रिटेन में पैदा हुए रिचर्ड विलियम्स ब्रिटिश सिपाही के रूप में भारत आए। सन 1857 के गदर के समय इनकी नियुक्ति मेरठ के रिसाले (घुड़सवार टुकड़ी) में थी। मेरठ छावनी में क्रांति की ज्वाला धधक उठी। रिसाले के सैनिकों को क्रांतिकारियों पर गोली चलाने का हुक्म दिया गया, लेकिन रिचर्ड विलियम्स ने इस आदेश की अवहेलना करते हुए ब्रिटिश अधिकारी एडजुटेंट टकर को गोली मार दी और स्वतंत्रता सेनानियों से जा मिले। विलियम्स ब्रिटेन की साम्राज्यवादी नीति के घोर विरोधी थे। क्रांतिकारियों के साथ विलियम्स दिल्ली जा पहुंचे और उन्होंने तोपखाने का संचालन करते हुए दिल्ली को स्वतंत्र कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रिचर्ड इसके बाद मरते दम तक मेरठ में ही रहे।

हवलदार मातादीन

क्रांति की अलख जगाने वाले 85 सैनिकों की सूची में हवलदार मातादीन का नाम पहले नंबर है।

इसकी पुष्टि सरजी डब्लू फॉरेस्ट के द्वारा लिखे स्टेट पेपर्स और जेबी पामर की 1857 के विद्रोह का आरंभ किताब में होती है। इसके साथ ही शहीद स्मारक पर लगे शिलापट पर भी हवलदार मातादीन का नाम पहले नंबर पर अंकित है। हालांकि नाम के आगे कुछ नहीं लिखा है। चर्बी वाले कारतूस के प्रयोग के इंकार के बाद इन 85 सैनिकों जिनको विक्टोरिया पार्क स्थित जेल मेरठ में कैद किया गया था। दस मई की शाम इनके सैनिक साथियों ने हवलदार मातादीन के साहसिक पराक्रम के माध्यम से शाम को जेल से मुक्त करा लिया था। इसके उपरांत दीन!दीन! चिल्लाते हुए दिल्ली के लिये कूच कर गए। इसके बाद अंग्रेजी हुकुमत के विरुद्ध विद्रोह पैदा हो गया था। क्रांति की अलख जगाने वाले इन 85 सैनिकों में हवलदार मातादीन अग्रणी थे।

पंडित प्यारे लाल शर्मा

मेरठ में आज पंडित प्यारेलाल शर्मा का नाम कौन नहीं जानता। राष्ट्र की स्वतंत्रता दिलाने में कैलाश प्रकाश जी का बड़ा योगदान रहा है। जिसके लिए उन्होंने अनेक कष्ट सहे। कैलाश प्रकाश अपने छात्र जीवन से ही गांधी क्रांति के प्रतीक बनकर कांग्रेस आंदोलन के एक अहिंसक क्रांतिकारी बन गए। प्यारे लाल शर्मा का राजनैतिक कार्यक्षेत्र पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली था। लाला शंकर लाल, हकीम अजमल खां, डा. अंसारी आदि उनके सहयोगी थे। 1924 से 1928 तक वे स्वराज पार्टी की ओर से निर्वाचित केंद्रीय असेम्बली के सदस्य रहे। 1932 की दिल्ली कांग्रेस की स्वागत समिति के वही अध्यक्ष थे। 1937 में गोविंद वल्लभ पंत के नेतृत्व में जो पहली कांग्रेस सरकार बनी, उसमें उन्हें शिक्षा मंत्री का पद दिया गया था। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में वे मेरठ में गिरफ्तार हुए। पर जेल के अंदर ही गंम्भीर रूप से बीमार पड़ जाने के कारण उन्हें रिहा कर दिया और 12 जनवरी 1941 को दिल्ली के एक अस्पताल में उनका देहांत हो गया।

कैलाश प्रकाश

मेरठ के कैलाश प्रकाश भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में से एक थे। महात्मा गांधी के मेरठ आगमन के दौरान आंदोलन में भाग लेने वाले युवकों की तलाश में अंग्रेज छापेमारी कर रहे थे, उस दौरान कैलाश प्रकाश अंग्रेजों की हिटलिस्ट में थे। कैलाश प्रकाश ने गांधी जी की रैली का नेतृत्व किया था और युवाओं की विशाल फौज तैयार की थी। भारत के उत्तर प्रदेश की प्रथम विधानसभा सभा में विधायक रहे। 1952 उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में इन्होंने कांग्रेस की ओर से चुनाव लड़ा।

धर्म दिवाकर शर्मा

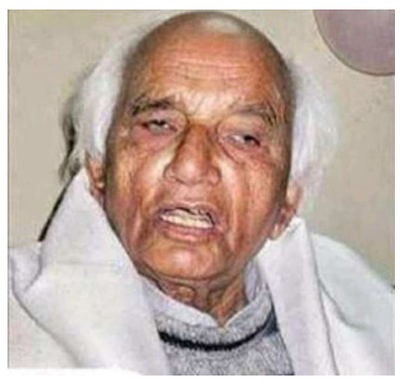

पंडित धर्म दिवाकर शर्मा का नाम प्रमुख गांधीवादी लोगों में लिया जाता है। धर्म दिवाकर शर्मा अजीवन गांधीवादी विचारधारा पर चलने वाले लोगों में से एक रहे। आजादी के दौरान जब जेल भरो आंदोलन चल रहा था। धर्म दिवाकर को 25 दिन की जेल हुई थी।

राव रोशन सिंह

राव रोशन सिंह एक ऐसा क्रांतिकारी जो मेरठवासियों के लिए एक गुमनाम चेहरा है। कस्बा दोघट के राव रोशन सिंह क्रांतिकारियों को छुपाने का काम करते थे। इसके साथ ही वे क्रांतिकारियों की गुप्त बातें इधर से उधर पहुंचाने का काम करते थे। दोघट में राव रोशन सिंह की बड़ी हवेली थी। जिसके नीचे एक बड़ा तहखाना था। इतिहासकारों के अनुसार इसी तहखाने में क्रांतिकारियों की गुप्त बैठकें होती थी। 1857 की क्रांति के बाद राव रोशन सिंह की यह हवेली कई सालों तक क्रांतिकारियों की गतिविधियों का केंद्र बनी

आयुर्वेद के अनुसार सुबह खाली पेट तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने के हैं जबरदस्त फायदे

आयुर्वेद में कहा गया है कि तांबे का पानी शरीर के कई दोषों को शांत करता है। साथ ही इस पानी से शरीर के जहरीले तत्व बाहर निकाले जा सकते हैं। आपके बता दें कि तांबे के बर्तन में संग्रहित पानी को ताम्रजल के नाम से जाना जाता है। तांबे के बर्तन में रखा पानी पूरी तरह से शुद्ध माना जाता है। यह सभी प्रकार के बैक्टीरिया को खत्म कर देता है साथ ही साथ जान लें कि इस पानी को कम से कम कम 8 घंटे तक तांबे के बर्तन में रखा हुआ होना चाहिए।

आइए जानते हैं तांबे में रखे पानी पीनें के लाभ

-डायरिया, पीलिया, डिसेंट्री जैसी बीमारी से लड़ने में बेहद मददगार होता है।

-पेट दर्द, गैस, एसिडिटी और कब्ज की समस्या से ग्रस्त व्यक्ति को इस समस्या से बहुत जल्दी छुटकारा मिल जाता है साथ ही इस पानी को पीते रहने से कभी कोई समस्या उत्पन्न नहीं होती।

-तांबे में रखे पानी को पीने से कैंसर की समस्या से लड़ने की क्षमता में वृद्धि होती है क्योंकि इसमें कैंसर विरोधी तत्व मौजूद होते है।

-शरीर के घाव आन्तरिक हो या बाहरी हो वह जल्दी ही भरने में मदद करने काफी फायदेमंद साबित होता है।

-तांबा प्यूरीफायर का काम करता है। ये पानी की अशुद्धियों को दूर कर देता है।

-इसे पीने से पेट की आंतों की गंदगी साफ होती है। आंतों की गंदगी साफ होने से पूरे शरीर पर अच्छा प्रभाव पड़ता है।

-तांबा रक्त शुद्धि का काम करता है। इसके कारण त्वचा संबंधी समस्याएं भी ठीक होती हैं।

-कोलेस्ट्रॉल को घटाने में मददगार है।

-शरीर की आंतरिक सफाई के लिए तांबे का पानी कारगर होता है। इसके अलावा यह लिवर और किडनी को स्वस्थ रखता है और किसी भी प्रकार के इंफेक्शन से निपटने में तांबे के बर्तन में रखा पानी लाभप्रद होता है।

अपने आप से सचमुच करती हैं प्यार, तो जरूर चेक करें शरीर में इन चीजों का स्तर

अपना पसंदीदा पिज्जा ऑर्डर करना या ड्रीम ड्रेस पहन लेना ही सेल्फ लव नहीं है। बल्कि अपनी सेहत का ख्याल करना सेल्फ लव की शुरुआत है। आप स्वस्थ है या नहीं, इसके लिए इन चीजों पर जरूर नजर बनाए रखें। सेल्फ लव सेल्फिश होने का सबूत नहीं हैं, बल्कि केयरफुल होने की निशानी है। अक्सर हम लोग अपनी हेल्थ को लेकर बहुत ज्यादा लापरवाह रहते हैं। कभी भी खाना, कुछ भी खाना और किसी भी वक्त सोना और उठना हमारे मेटाबॉलिज्म को नुकसान पहुंचाता है। जिसकी वजह से हम बहुत सारी बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। इन्हें लाइफस्टाइल डिजीज कहा जाता है, जो आगे चलकर और कई गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों का कारण बनती हैं। इसलिए यह जरूरी है कि आप अपनी सेहत पर नजर रखें। इसके लिए आपको शरीर में इन 5 चीजों के स्तर को संतुलित बनाए रखना जरूरी है।हेल्थ और वेलनेस बहुत सारी चीजों पर फोकस करने की मांग करते हैं। जहां आत्मिक शांति के लिए हम मेडिटेशन करते हैं, वहीं शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए सेल्फ एग्ज़ामिन करना भी ज़रूरी है। आइए जानते हैं, वो ऐसे कौन से ज़रूरी बॉडी बिल्डिंग ब्लॉक्स है, जिनकी अनदेखी हमें कई बीमारियों का शिकार बना सकती है।

1 विटामिन बी12-विटामिन बी 12 आपकी गट हेल्थ से ताल्लुक रखता है। डॉ अदिति शर्मा का कहना है कि अगर आपकी गट हेल्थ सही है, तो आपका डाइजेशन नॉर्मल रहता है। इसके लिए डाईट में एनिमल प्रोटीन शामिल करें, जो हमें दूध और फिश से मिलता है। इसके अलावा हेल्थ सप्लीमेंटस ले सकते हैं। शरीर में इस तत्व की कमी का प्रभाव हमारी स्किन, बालों और ओवरऑल हेल्थ पर दिखने लगता है। स्वैटिंग, टायर्डनैस और टेंशन इसकी कमी के कुछ लक्षण हैं। इसके अलावा इसकी कमी का असर याददाश्त पर भी दिखता है। इस कमी को दूर करने के लिए डाइट में डेयरी प्रॉडक्टस और अंडे खा सकते है।

प्रेग्नेंट महिलाओं में 2. 6 माइक्रोग्राम प्रतिदिन के हिसाब से विटामिन बी 12 लेना ज़रूरी है। **2 विटामिन डी**-विटामिन डी शरीर में कैल्शियम और फास्फोरस की मात्रा को बनाए रखने के लिए ज़रूरी है। विटामिन डी की प्राप्ति से बच्चों और बड़ों के शरीर में कैल्शियम एब्जॉर्ब नहीं होता। इसके लिए सन एक्सपोज़र बेहद ज़रूरी है। एंटी इंफलेमेंटरी गुणों से भरपूर ये तत्व शरीर में स्वैलिंग और जगह-जगह होने वाले सन बर्न से आपको बचाता है। इसके अलावा हड्डियों और पीठ में दर्द और सूजन की शिकायत रहती है। साथ ही हार्ट अटैक का खतरा बना रहाता है। अगर आप दिनभर व्यस्त है और सूरज की रोशनी नहीं मिल पा रही है, तो हेल्थ स्पलीमेंटस के ज़रिए इसकी कमी को पूरा किया जा सकता है। इसके लिए आप अपनी डाइट में दूध, दही, मशरूम, संतरे का जूस आदि शामिल कर सकते हैं।

कैसे चेक करें विटामिन डी

ब्लड सैंपल के ज़रिए आसानी से विटामिन डी की कमी को जांचा जा सकता है।

क्या है विटामिन डी का आदर्श स्तर

प्रेगनेंट महिलाओं के लिए रोज़ाना 5mcg

50 से 70 साल के लोगों के लिए 10mcg

70 साल से ज्यादा के लोगों के लिए 15 mcg की आवश्यकता होती है

3 हीमोग्लोबिन का लेवल

हीमोग्लोबिन का लेवल शरीर में आयरन की मात्रा पर निर्भर करता है। वो लोग जिनमें आयरन की कमी होती है। वे कई प्रकार की बीमारियों से घिर जाते हैं। उनके शरीर में ऑक्सीजन की कमी रहने लगती है, जिसके चलते उनके चेहरे पर पिंपल्स बनने लगते हैं और ब्लड प्यूरिफाई नहीं हो पाता है। इसके लिए शरीर में एचबी को मेंटेन रखना ज़रूरी है।

महिला के शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर 12 से 16 के बीच होना चाहिए। इसके लिए हमें अपनी डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे पालक मेथी और

चुकुंदर को शामिल करें। वहीं स्प्राउटस, मूंगफली और चावल से शरीर में फॉलिक एसिड की प्राप्ति होती है, जिससे रेड ब्लड सेल्स बनते हैं। वहीं विटामिन सी युक्त फल और सब्जियां भी शरीर में हीमोग्लोबिन को बढ़ाने में मददगार है।

4 बॉडी मास इन्डेक्स

बीएमआई यानि बॉडी मास इन्डेक्स, ये केलकुलेटर उम्र के हिसाब से शरीर में वज़न और लंबाई का पता लगाता है। इन दिनों मोटापे की समस्या बेहद आम है। डॉ अदिति शर्मा बताती हैं कि ओबेसिटी और ओवरवेट आज के समय की आम समस्याएं हैं। आडडियल बॉडी वेट से हम ये जान पाते है कि हम किसी समस्या से तो नहीं गुज़र रहे। इसके अलावा हम भविष्य में किसी बीमारी की चपेट में तो नहीं आने वाले। दरअसल, वज़न बढ़ने से आर्थराइटिस, ब्रीदिग प्रॉब्लम, हार्ट संबधी रोग और डायबिटीज का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। हार्वड एजुकेशन के मुताबिक अगर हम अपने वजन को नियंत्रित कर लेते हैं, तो इससे हम कई बीमारियों से बचे रहते हैं।

नर्सिज हेल्थ स्टडी और हेल्थ प्रोफेशनल्स फॉलोअप स्टडी के मुताबिक मिडल एज के वो लोग जिन्होंने 20 साल की उम्र के बाद 11 से 22 पाउंड वेट गेन किया है। ऐसे लोगों में हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर और टाइप 2 डायबिटीज़ और पथरी का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। वहीं जिन लोगों ने 5 पाउंड वज़न बढ़ाया। उनके अंदर इन बीमारियों का खतरा तीन गुना बढ़ जाता है।

क्या है बीएमआई का आदर्श माप

बीएमआई यानि बॉडी मास इनडेक्स जिसके तहत ये केलकुलेटर उम्र के हिसाब से शरीर में वज़न और लंबाई का पता लगाता है। इसे मापने के लिए आप अपने बॉडी वेट को हाइट के साथ डिवाइड कर दें। 25 बीएमआई वाले लोगों को ओवरवेट की सूची में शामिल किया गया है। डेयरी प्रोडक्टस समेत बहुत से खाद्य पदार्थ है, जिनसे हमें कैल्शियम की प्राप्ति होती है।

5 कैल्शियम

हेल्दी बॉडी के लिए रूटीन में कैल्शियम इनटेक बहुत ज़रूरी है। दरअसल, कैल्शियम हमारे शरीर के ऑर्गन्स और मसल्स को सही तरीके से चलाने में मददगार साबित होता है। शरीर को लगातार कैल्शियम की ज़रूरत पड़ती है। जो बोनस से रिलीज होता है।

अपनी भाषा में शिक्षा का पूरा होता सपना

अंग्रेजी पर जोर के कारण ही देश में शिक्षा का स्तर लगातार गिरता गया

भारतीय भाषाओं में पढ़ने-लिखने वालों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने एक और सौगात दी है। उसने सभी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों से स्थानीय भाषाओं में शिक्षा उपलब्ध कराने को कहा है। विद्यार्थियों को यह सहूलियत भी दी गई है कि भले ही वे अंग्रेजी माध्यम में पढ़ते रहे हों, लेकिन चाहें तो परीक्षा अपनी मातृभाषा में दे सकते हैं। 1916 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के एक समारोह में महात्मा गांधी ने अपनी भाषाओं में पढ़ाने पर जोर दिया था। उन्होंने छात्रों से अपील की थी कि यदि उनकी अपनी भाषा में पढ़ाई नहीं होती तो वे इसके लिए आंदोलन करें। राममनोहर लोहिया भी लगातार अपनी भाषाओं के लिए संघर्षरत रहे। उनका तो यह भी मानना था कि अंग्रेजी ही भ्रष्टाचार की जननी है, क्योंकि जब जनता की समझ में ही नहीं आता कि क्या लिखा गया है, कोर्ट-कचहरी में क्या बहस हो रही है तो उसे गुमराह करना आसान हो जाता है। शिक्षाविद् दौलत सिंह कोठारी ने 1966 में शिक्षा आयोग के चेयरमैन के रूप में सिफारिश की थी कि न केवल स्कूली शिक्षा, बल्कि उच्च शिक्षा भी अपनी भाषाओं में दी जाए और सभी के लिए समान शिक्षा हो, लेकिन इस बीच यह सपना इतना कमजोर होता गया कि कई निजी स्कूलों में हिंदी बोलना भी अपराध घोषित कर दिया गया। अफसोस की बात तो यह है कि स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी की दुहाई देने वाले बुद्धिजीवी टुकुर-टुकुर देखते रहे। प्रत्येक स्वाभिमानी देश की आत्मा कभी न कभी जागती है। शायद भाषा के मामले में अब समय आ गया

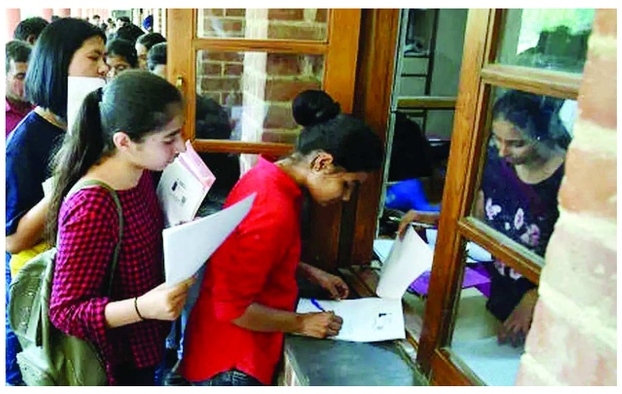

है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक कदम उठाए गए हैं, जिनसे गांव के गरीब घरों के छात्र भी अपनी भाषा के बूते आगे बढ़ सकते हैं। प्रतिभा सिर्फ अंग्रेजी वालों में ही नहीं होती। कोठारी आयोग ने 1979 में इसी स्थापना से सिविल सेवा परीक्षाओं में भारतीय भाषाओं की शुरुआत कराई। हालांकि इस दिशा में जितनी उम्मीद थी, उतनी प्रगति तो नहीं हुई, लेकिन प्रयास जारी हैं। हाल में अर्धसैनिक बलों में भर्ती के लिए केंद्र सरकार ने कर्मचारी चयन आयोग से 13 भारतीय भाषाओं में भर्ती परीक्षा कराने को कहा है। कर्मचारी चयन आयोग द्वारा बैंकिंग और रेलवे में अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी और दूसरी भाषाओं में भर्ती परीक्षा कराने की शुरुआत कई वर्ष पहले हो चुकी है। न केवल सामान्य नौकरियों की परीक्षाएं, बल्कि मेडिकल और इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाओं में भी भारतीय भाषाएं लगातार आगे बढ़ रही हैं। मेडिकल की नीट परीक्षा छह भाषाओं से शुरू होकर अब 13 भाषाओं में हो रही है। कोर्ट-कचहरी में भी भारतीय भाषाओं के कुछ कदम पड़े हैं। दो महीने पहले मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण निर्णयों को भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने का फैसला इसका प्रमाण है। इससे उच्च न्यायालय भी अपने-अपने राज्यों की भाषाओं में निर्णय देने के लिए प्रोत्साहित हुए हैं। हाल में केरल हाई कोर्ट ने पहली बार अपना निर्णय मलयालम भाषा में लिखा। इसी तरह उत्तर भारत की निचली अदालतों से हिंदी में निर्णय की खबरें उत्साह जगाती हैं, लेकिन 'दिल्ली अभी भी दूर' है। इसका कारण शिक्षा में भारतीय भाषाओं विशेषकर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी के प्रति उपेक्षा का भाव है। इसे रोकना होगा। लगभग पूरे दक्षिण भारत में उनकी प्रादेशिक भाषाएं दसवीं तक अनिवार्य हैं। लगभग 80 प्रतिशत बच्चे 12वीं कक्षा में भी चाहे वे विज्ञान ही क्यों न पढ़ रहे हों, अंग्रेजी के साथ-साथ एक प्रादेशिक भाषा जैसे-कन्नड़, मलयालम, तमिल, तेलुगु, मराठी पढ़ते हैं, मगर उत्तर भारत में स्थिति निराशाजनक है। दिल्ली के कई निजी स्कूलों में 12वीं में तो हिंदी पढ़ाई ही नहीं जाती। नौवीं और दसवीं में भी अंग्रेजी के साथ दूसरी भाषा के रूप में जर्मन, फ्रेंच और जापानी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यहां तक कि उदारवाद का झंडा फहराते जेएनयू, जामिया और दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे नामी संस्थानों में भी हिंदी और भारतीय भाषाएं लगभग नदारद हैं। दिल्ली में बैठी सरकारें क्यों इस ओर आंखें मूंदे बैठी हैं? अंग्रेजी और विदेशी भाषाओं को पढ़ाने के कारण ही शिक्षा निजी क्षेत्र में एक धंधा बनती जा रही है। आजकल दिल्ली और पंजाब की सरकारों में अपने शिक्षकों को फिनलैंड भेजने की होड़ मची है। फिनलैंड की शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है अपनी भाषा में शिक्षा। क्या दिल्ली सरकार इसे शुरू भी कर पाई है? फिनलैंड की शिक्षा का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है योग्य शिक्षकों की भर्ती। इस दौरान उन्हें मनोविज्ञान, बाल विज्ञान और विषय ज्ञान से जुड़ी कई परीक्षाओं से गुजरना होता है। हमारे देश में शिक्षकों की भर्ती के तरीके से हम सब वाकिफ हैं।

बंगाल इसका ताजा उदाहरण है। जाहिर है केवल विदेश में चंद लोगों को भेजने से शिक्षा का स्तर नहीं सुधर सकता। विदेशी विश्वविद्यालयों की शुरुआत कहीं अंग्रेजी की दौड़ को और तेज न कर दे इसलिए सरकार और समाज, दोनों को सचेत रहने की जरूरत है।

चट्टान भक्षी 'कृमि' नदियों के मार्ग बदल सकते हैं

अठारवीं सदी में शिपवर्म (एक प्रकार का कृमि) ने लोगों को काफी परेशान किया था। जहाज़ों को डुबाना, तटबंधों को खोखला करना और यहां तक कि समुद्र की लहरों से बचाव करने वाले डच डाइक को भी खा जाना इस कृमि की करामातें थी। लकड़ी इनकी खुराक है। शोधकर्ताओं ने हाल ही में एक ऐसे शिपवर्म की खोज की है जिसका आहार लकड़ी नहीं बल्कि पत्थर है। मीठे पानी में पाया जाने वाला यह मोटा, सफेद, और कृमि जैसा दिखने वाला जीव एक मीटर तक लंबा हो सकता है। शोधकर्ताओं ने इस प्रजाति को पहली बार 2006 में फिलीपींस स्थित अबाटन नदी के चूना पत्थर में अंगूठे की साइज़ के बिलों में

देखा था। लेकिन इस जीव का विस्तार से अध्ययन 2018 में किया गया।

चट्टान को चट करने वाला यह शिपवर्म लकड़ीभक्षी शिपवर्म से काफी अलग है। प्रोसीडिंग्स ऑफ दी रॉयल सोसाइटी बी में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार सभी शिपवर्म वास्तव में कृमि नहीं बल्कि क्लैम होते हैं। इनमें दो सिकुड़े हुए कवच रूपांतरित होकर बरमे की तरह काम करते हैं। लकड़ी खाने वाले कृमि के कवच पर सैकड़ों तेज़ अदृश्य दांत होते हैं वहीं चट्टान खाने वाले कृमि में दर्ज़न भर मोटे, मिलीमीटर साइज़ के दांत होते हैं जो चट्टान को खरोंचने में सक्षम होते हैं।

लकड़ीभक्षी समुद्री शिपवर्म में विशेष पाचक थैली होती है जहां बैक्टीरिया लड़की को पचाते हैं। अन्य शिपवर्म की तरह चट्टान खाने वाले शिपवर्म भी कुतरे हुए पदार्थ को निगलते ज़रूर हैं लेकिन इसमें पाचक थैली और बैक्टीरिया का अभाव रहता है। चट्टान के चूरे से इन्हें कोई पोषण नहीं मिलता। पोषण के लिए वे पिछले सिरे से चूसे गए भोजन के भरोसे रहते हैं जिसे गलफड़ों में उपस्थित बैक्टीरिया पचाते हैं।

बहरहाल, लकड़ीभक्षी और चट्टानभक्षी शिपवर्म में एक समानता है। दोनों काफी नुकसान कर सकते हैं। लकड़ीभक्षी ने तो जहाज़ों और लकड़ी से बनी अन्य रचनाओं को तहस-नहस किया था और दूसरा चट्टान को खोखला कर नदी के रास्ते को भी बदल सकता है। लेकिन इसका एक उजला पक्ष भी है। कृमि द्वारा बनाई गई दरारें केकड़ों, घोंघों और मछलियों के लिए बेहतरीन घर होते हैं।

आवासन आयुक्त ने स्थानांतरित सचिव को विदाई, नए सचिव, उप सचिव को दी शुभकामनाएं

चमकता राजस्थान

जयपुर, 7 अगस्त। राजस्थान आवासन मण्डल के बोर्ड रूम में सोमवार को आयोजित एक कार्यक्रम में मण्डल सचिव श्रीमती अल्पा चौधरी को स्थानांतरण पर विदाई दी गई वहीं नवनियुक्त सचिव बृजेश कुमार चांदोलिया और उप सचिव राजेंद्र सिंह चांदावत के आगमन पर बधाई और शुभकामनाएं भी दी गईं।

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने इस अवसर पर मण्डल सचिव श्रीमती अल्पा चौधरी को स्थानांतरण पर विदाई देते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किए।

वहीं नवनियुक्त सचिव और उप सचिव को बुके देकर नये दायित्व की शुभकामनाएं दी।

अरोड़ा ने सचिव की कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने परिवार की तरह कार्य करते हुए मंडल को ऊंचाइयों पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

इस अवसर पर मुख्य अभियन्ता अमित अग्रवाल, मनोज गुप्ता, संदीप गर्ग, अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर, मुख्य सम्पदा प्रबंधक श्रीमती दीपाली भगोतिया, राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के अध्यक्ष दशरथ सिंह, संघ के महामंत्री प्रदीप शर्मा सहित मण्डल के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा नेता सर्व समाज सेवी समय सिंह जाटव ने क्षेत्र के पत्रकारों से की प्रेस वार्ता

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह) भाजपा नेता सर्व समाजसेवी समय सिंह जाटव ने क्षेत्र के वैर- भुसावर- हलैना के सभी पत्रकारों को होटल राज प्लाजा मे प्रेस वार्ता के लिए आमंत्रित किया। वहां कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए समय सिंह जाटव ने कहा कि कांग्रेस के राज में सड़कों निर्माण ,भवन निर्माण में खुलेआम घोटाले,अवैध खनन एवं तेजी से बढ़ रहे महिला उत्पीडन को लेकर कांग्रेस सरकार पूर्ण रूप से विफल साबित हो रही है। सरकारी मशीन का दुरुपयोग हो रहा है। प्रशासन इनके हाथों की कठपुतली बना हुआ है। आम जनता की कोई सुनवाई नहीं है। कांग्रेस सरकार के मंत्री व उनके समर्थक खुलेआम दोनों हाथों से लूट रहे हैं। इसलिए देश के चौथे स्तंभ मीडिया से आग्रह है कि कांग्रेस सरकार के काले चिठे को जनता के बीच उजागर करें और भ्रष्टाचार में लिप्त सरकार व भ्रष्ट अधिकारियों को बेनकाब करें। समय सिंह जाटव ने कहा कि मीडिया ही सच्च का आईना दिखाने वाला है यह देश का चौथा स्तंभ है। कांग्रेस राज में जंगलराज कायम है लोकतंत्र की हत्या हो रही है लॉन इन ऑर्डर पूरी तरह से खत्म है। इस मौके पर बीजेपी नेता सर्व समाज सेवी समय सिंह जाटव ने समस्त अतिथियों का सम्मान किया।

भाजपा नेता देशराज जाटव ने बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व का किया सम्मान

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह) भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता एवं जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि देशराज जाटव ने प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व के भाजपा पधाधिकारी राष्ट्रीय महामंत्री व बीजेपी राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह एवं संभाग प्रभारी हेमराज मीणा के साथ प्रदेश मंत्री भानु प्रताप राजावत का नेशनल हाईवे 21 पर स्थित अमोली टोल प्लाजा पर माला एवं साफा पहनाकर स्वागत कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर बीजेपी जिला मंत्री एवं अमोली सरपंच प्रतिनिधि करतार सिंह डागुर, जहानपुर सरपंच हरेंद्र सिंह चौधरी एवं सभी कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपा ने अमर सिंह खरैरी ने जिला अध्यक्ष ऋषि बंसल से की शिष्टाचार मुलाकात

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह) विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता अमर सिंह खरैरी ने भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ऋषि बंसल के निज निवास पर पहुंचकर शिष्टाचार मुलाकात कर वैर विधानसभा में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के बारे में अवगत कराया। वर्तमान कांग्रेस सरकार में बड़े पैमाने पर हो रहे भ्रष्टाचार, महिला उत्पीडन, पेपर लीक, युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर आगामी विधानसभा चुनाव 2023 में पूर्ण बहुमत से बीजेपी सरकार बनाने पर विचार विमर्श किया। एवं इस भ्रष्टाचार निकम्मी कांग्रेस सरकार को राजस्थान प्रदेश से उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया। इस मौके पर अमर सिंह खरैरी ने बीजेपी जिला अध्यक्ष ऋषि बंसल का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया।

पंकज कुमार भीम आर्मी स्टूडेंट फ़ेडरेशन के ज़िलाध्यक्ष नियुक्त

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह) भीम आर्मी स्टूडेंट फ़ेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष सुनील भिंडा जाट ने भरतपुर जिले के ज़िलाध्यक्ष पद पर बहुत समय से ख़ाली चल रहे पद पर भीम आर्मी के लिए पांच सालो से संघर्ष कर रहे पंकज कुमार को ज़िलाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। पूर्व ज़िलाध्यक्ष छात्रनेता देवेन्द्र सिंह हथैनी ने बताया की भीम आर्मी व स्टूडेंट फ़ेडरेशन बहुत समय से छात्रों की आवाज़ उठाने का कार्य कर रही है और आगे आने वाले छात्रसंघ चुनाव में भीम आर्मी स्टूडेंट फ़ेडरेशन भरतपुर ज़िले के प्रत्येक सरकारी महाविद्यालय से चुनाव लड़ायेगी इस मोके पर रोहित हथैनी छात्रप्रतिनिधि, मुकेश कुमार छात्रसंघ महासचिव रूपवास,गौरव गौतम,सुभाष,लोकेश कुमार आदि साथी मोजूद रहे

आधुनिक चिंतन - पत्रकारिता एवं साहित्य' विषय पर यादगार परिचर्चा

सकारात्मक पत्रकारिता व साहित्य से समाज में बदलाव संभव

चमकता राजस्थान

बांसवाड़ा(स्पेशल लाइव रिपोर्ट-अमित कुमार चेचानी)। वरिष्ठ पत्रकार और साहित्यकार अनिल सक्सेना के द्वारा पिछले 12 सालों से प्रदेश के प्रत्येक जिलों में कराए जा रहे पत्रकारिता-साहित्यिक कार्यक्रमों के क्रम में राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम के बैनर तले बांसवाड़ा संभाग मुख्यालय पर 'द होटल इंपीरियल' में आधुनिक चिंतनः पत्रकारिता एवं साहित्य विषय पर हुई परिचर्चा में विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख बुद्धिजीवियों की उत्साहपूर्ण आत्मीय भागीदारी ने आयोजन को यादगार बना दिया।

इस साहित्यिक परिचर्चा में वरिष्ठ साहित्यकारों व पत्रकारों के दक्ष पैनल के रूप में वयोवृद्ध चिन्तक भूपेंद्र उपाध्याय 'तनिक', वरिष्ठ साहित्यकार भरत चंद्र शर्मा, प्रयोगधर्मी साहित्यकार हरीश आचार्य, श्री हरिदेव जोशी राजकीय कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरला पण्ड्या एवं वरिष्ठ पत्रकार दीपक श्रीमाल ने अपनी बात रखी।

'हर युग में कालजयी रहा है यह अन्तर्सम्बन्ध'

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार और साहित्यकार अनिल सक्सेना ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है। सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पक्षों का यथार्थ चित्रण ही सच्चा साहित्य है। उन्होंने कहा कि यही सत्य है कि साहित्य अतीत से प्रेरणा लेता है, वर्तमान को चित्रित करता है और भविष्य का सशक्त मार्गदर्शन करता है।

'मिशन भावना से दायित्व निर्वाह जरूरी'

इन सभी ने सम सामयिक संदर्भ में पत्रकारिता और साहित्य के वर्तमान सरोकारों पर सारगर्भित उद्बोधन देते हुए आजादी के समय की पत्रकारिता और आज की पत्रकारिता के संबंध में तुलनात्मक परिवर्तन के प्रभावों को संकेतित करते हुए कहा कि देश की आजादी में पत्रकारिता का अमूल्य योगदान रहा है। उस समय मिशन भावना से समाजोन्मुखी निःस्वार्थ भाव की पत्रकारिता होती थी जिसमें सिर्फ आजादी के लक्ष्य को भी ध्यान में रखकर समाचार पत्र प्रकाशित होते थे लेकिन परवर्ती कालखण्ड में क्रमिक रूप से यह क्षेत्र राष्ट्र के विकास के लक्ष्य से भटक गई। आज हम देखते हैं तो पाते हैं कि कई बड़े समाचार पत्र व्यवसायिक घरानों द्वारा संचालित किए जा रहे हैं जो एक तरफा दृष्टिकोण को अपनाकर उन्हीं का सायास प्रचार-प्रसार करने में जुटे हुए हैं।

'लोकजागृति संचार में अहम् योगदान'

विशेषज्ञ वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता और साहित्य एक सिक्के के दो पहलू हैं। साहित्य के द्वारा सदियों से समाज में जन जागरण का कार्य किया जा रहा है। लेखकों और कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में नई क्रांति को दिशा दी है। साथ ही पत्रकारिता के माध्यम से भी समाज के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक जागृति का संचार हुआ है।

'त्यागनी होगी आधुनिकीकरण और व्यवसायिक मानसिकता '

परिचर्चा में विभिन्न विधाओं के निष्णात सृजनधर्मियों और प्रबुद्धजनों का स्पष्ट मत था कि आज के इस युग में साहित्यकार सिर्फ या तो पुरस्कार, सम्मान और अभिनन्दन पाने के लिए अपनी पुस्तक एवं लेखनी पर कार्य कर रहा है, जिससे वह अपने लक्ष्य से भटक रहा है अथवा निर्देशित सृजन को अपना चुका है। ज्यों-ज्यों साहित्य व पत्रकारिता का आधुनिकीकरण और व्यवसायीकरण हो रहा है उसके मूल्यों में निरन्तर गिरावट आ रही है।

हमारे सांस्कृतिक व सामाजिक मूल्यों को नहीं भूलना चाहिए

परिचर्चा में सार्वजनीन तौर पर यह निष्कर्ष सामने आया कि आज के इस डिजिटल युग में युवा पीढ़ी पुस्तकों व साहित्य से दूर होती जा रही है और पुस्तकों को पढ़ने के प्रति रुझान समाप्त हो रहा है, जिससे युवा भटक रहा है और वह अपने परम्परागत मौलिक संस्कार, सामाजिक व नैतिक मूल्यों को भूलता जा रहा है। हालात ये हैं कि जैसा हम अपने परिवार व समाज में देखते हैं वही नई पीढ़ी अपने आचरण में ढाल रही है। जैसा हम करेंगे वैसा ही आने वाला भविष्य बनेगा। इसीलिए हमें हमारे सांस्कृतिक व सामाजिक मूल्यों को नहीं भूलना चाहिए।

'जागृति संचार में प्रभावी है साहित्य और पत्रकारिता का योग'

आधुनिक हिंदी साहित्य में पत्रकारिता के योगदान पर चर्चा करते हुए कहा गया कि साहित्य के बिना पत्रकारिता अधूरी है। एक अच्छा साहित्य पत्रकारिता के साथ जुड़कर ही उसमें निखार ला पाने में समर्थ होता है और पत्रकारिता के उद्देश्यों को पूरा करते हुए समाज में जागृति का संचार कर सकता है।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के पश्चात सरस्वती वंदना से हुई। परिचर्चा पैनल का संचालन फोरम के संस्थापक अनिल सक्सेना ने किया।

'इन्होंने रखे प्रेरणादायी विचार'

इस अवसर पर डॉ. आशा मेहता, डॉ. महिपाल सिंह राव, डॉ. राकेश शास्त्री, डॉ. सर्वजीत दुबे, कृष्णा भावसार, मणिलाल जोशी, वीरेंद्र सिंह राव, प्रकाश पण्ड्या, भूपालसिंह राठौड़, जितेन्द्रसिंह राजावत, सुभाष नागर, ओम पालीवाल, शालिनी मिश्रा, महेश पंचाल'माही', संदेश जैन, अशोक मदहोश, कमलेश कमल, भारत दोसी, डॉ. दीपिका राव, जयगिरिराजसिंह चैहान, हेमंत पाठक 'राही', मोहनदास वैष्णव, प्रतिभा जैन, शंकर यादव, भागवत कुन्दन, संदेश जैन सहित पत्रकारों, साहित्यकारों, कलाकारों और प्रबद्धजनों आदि ने अपने विचार व्यक्त किए और फोरम द्वारा आयोजित परिचर्चा की सराहना करते हुए इसे उपलब्धिमूलक बताया।

'उत्साही सहभागिता का दिग्दर्शन'

इस अवसर पर भारती भावसार, सईद मंजर, जहीर आतिश, सईद रोशन, घनश्याम सिंह भाटी, तारेश दवे, राजेंद्र संतवाणी, प्रेरणा उपाध्याय, हीना भट्ट, धर्मेन्द्र उपाध्याय, हिमेश उपाध्याय, उत्तम मेहता 'उत्तम', आशीष अमोल गणावा, यामिनी जोशी, नरहरि आर. भट्ट, नन्दकिशोर वैष्णव , राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम के प्रदेश सचिव गिरीश पालीवाल, सहसचिव अमित चेचानी, मेवाड़ प्रभारी संदीप माली, सहित प्रमुख साहित्यकार एवं प्रबुद्धजन उपस्थित थे। इससे पूर्व शुभारंभ सत्र का संचालन शालिनी मिश्रा ने किया।

'पौधों का दिया उपहार'

इस अवसर पर राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम द्वारा राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल बांसवाड़ा के सहयोग से उपस्थित सभी अतिथियों को पौधों का उपहार प्रदान करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प दिलाया। स्थानीय पत्रकारों व साहित्यकारों ने अनिल सक्सेना का सम्मान भी किया।

भाजपा नेता प्रो.डा जग्गो सिंह ने वैर विधानसभा में किया जनसंपर्क

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह) विधानसभा क्षेत्र में प्रोफेसर डॉ जग्गो सिंह ने गांव जटवालाई में कैलाश चौधरी के आर्मी मे देश की सेवा से निवृत होने पर उनके निज निवास पर पहुंचकर साफा पहनाकर सम्मान कर शुभकामनाएं प्रेषित की एवं प्रसादी ग्रहण की तथा गांव जटबलाई के गणमान्य लोगों से मुलाकात की जिसमें पंचायत समिति सदस्य भाजपा धीर सिंह के निवास पर बैठकर पार्टी की चर्चा की तथा पंचायत समिति सदस्य धीर सिंह द्वारा जो मान सम्मान मिला उसके लिए बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं इस मौके पर मेरे साथ भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष यादवेंद्र सिंह पाली,अनु ठाकुर,मुरारी सरपंच गोविंदपुरा, लाखन सिंह आजरौंदा आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता अरुण सिंह एवं अमरजीत सिंह के साथ चाय पर चर्चा की एवं उनके द्वारा जो मान सम्मान दिया उसके लिए बहुत-बहुत आभार। तथा विधानसभा क्षेत्र के गांव भौंडा गांव में नायब सूबेदार सुरेश चंद गुर्जर के सेवानिवृत्त होने पर साफा पहनाकर बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की।गांव पाली में करतार एवं राजन के यहां पगड़ी रसम में सम्मिलित हुआ एवं गांव के गणमान्य लोगों से मुलाकात की

टीना जांगिड सर्व समाज जयपुर जिला अध्यक्ष नियुक्त

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह)सर्व समाज महासभा का विस्तार करते हुए सर्व समाज के संस्थापक यशपाल सोलंकी और सह संस्थापक जे एस चौधरी एवं महिला प्रदेश अध्यक्ष हेमलता फौजदार ने हितेश गुप्ता को राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष और टीना जांगिड को जयपुर जिलाध्यक्ष घोषित किया इस मौके पर देवेन्द्र फौजदार राष्टीय महामंत्री पुष्पेंद्र डॉ नरेश मदेरणा और सर्व समाज महासभा के सभी सदस्यों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की है। इस अवसर पर टीना जांगिड ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताकर अविवादन व्यक्त किया है

सार समाचार

सेवा उपचार एवं इलाज से मानसिक स्वास्थ्य में हुआ सुधार

एक और लावारिस विक्षिप्त मूक बधिर को मिला अपना घर

चमकता राजस्थान. धौलपुर (रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) जिला धौलपुर के बाड़ी उपखंड में कई दिनों से नादनपुर मोड़ बसेड़ी के आस-पास क्षेत्र में भूख प्यास से व्याकुल होकर भटक रहे लावारिस , विक्षिप्त, मानसिक मंद बुद्धि ,मूक बधिर को अपना घर आश्रम बाड़ी का सहारा मिल गया ढ्ढ रवि कुमार गांव बनोला नादनपुर बसेड़ी निवासी द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर उक्त प्रभु जी को अपना घर रेस्क्यू टीम के सदस्य नितेश प्रजापति एवं राकेश कुमार के द्वारा रेस्क्यू कर गंभीर स्थिति में सेवा उपचार एवं मानसिक स्थिति में सुधार के लिएअपना घर आश्रम बाड़ी में भर्ती किया गया

अपना घर पप्पू को दे चुका है नया जीवन

अपना घर के कार्यालय प्रभारी राजकुमार गर्ग ने बताया कि पप्पू प्रभु जी (काल्पनिक नाम) दिनांक 30 जुलाई 2023 को नादनपुर मोड बसेड़ी क्षेत्र से रेस्क्यू करअपना घर में प्रवेश दिया गया था ढ्ढ अपना घर आश्रम के सेवा साथियों के सेवा- भाव,सेवा -उपचार एवं इलाज के पश्चात धीरे-धीरे इनकी मानसिक स्थिति में पहले से काफी सुधार हुआ है। ठाकुर जी की कृपा से कुछ महीनों में इनके पूर्ण स्वस्थ होने की संभावना है

परिचित करें संपर्क

यदि कोई उक्त व्यक्ति को पहचानता है या परिचित है तो वह अपना घर के संस्थापक सुनील गर्ग कंपनी परिवार मो. नं.(9414026715),अध्यक्ष कमलेश गर्ग मो. नं.(9529826006),अपना घर के कार्यालय नंबर(8949838684) पर संपर्क कर सकता है

धौलपुर लियाफी अध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा को जयपुर मंडल द्वितीय के संयुक्त सचिव बनाए जाने पर जोरदार स्वागत सम्मान

चमकता राजस्थान, धौलपुर (रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) जिला धौलपुर के भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा धौलपुर के लियाफी अध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा को जयपुर मंडल द्वितीय के संयुक्त सचिव बनाए जाने पर शाखा धौलपुर ब्रांच के सभी अभिकर्ता साथियों ने मिलकर साफा एवं पुष्पमाला पहनाकर जोरदार स्वागत सम्मान किया। इस कार्यक्रम के मौके पर अतेंद्र सिंह, ओम प्रकाश गुर्जर, रिंकू, नरेश सेन, ऋषि, ऋषि तेंदुलकर, मोहन सिंह, दीनानाथ, महेश मित्तल, प्रभु दयाल, आदि ने संयुक्त सचिव राजेश कुमार शर्मा का जोरदार स्वागत सम्मान किया। इसी बीच राजेश कुमार शर्मा ने कहां के मैं आपके साथ हूं और सदैव रहूंगा। किसी अभिकर्ता का ब्रांच में एवं जयपुर द्वितीय से संबंधित कोई भी कार्य होगा उस कार्य को कराने में मदद करूंगा। सभी अभिकर्ता साथियों के साथ में कंधे से कंधा मिलाकर रहूंगा।

गॉड सनाद्य फाउंडेशन की बैठक लक्ष्मी शिक्षा निकेतन विद्यालय पर आयोजित

चमकता राजस्थान. धौलपुर (रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) बाड़ी उपखंड में गॉड सनाड्य फाउंडेशन की बैठक लक्ष्मी शिक्षा निकेतन विधालय में समाज के सर्वमान्य नेता डॉ. रामगोपाल शर्मा, संभाग प्रभारी लक्ष्मी नारायण शर्मा ,हरिचंद्र कनौआ ने कहा सितंबर में बाड़ी में जिले में विप्र महाकुंभ लगाने की तैयारियां हैं जहां पर धौलपुर जिले के गांव गांव ढाणी ढाणी से पूरे संभाग से ब्राह्मणों को आने का न्योता दिया जाएगा! इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के संगठन पर जोर देना है विधानसभा चुनाव में दवाब बनाना है जिससे अधिक से अधिक ब्राह्मण समाज के लोगों को टिकट मिल सके ! जिला अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने कहा कार्यक्रम में समाज के राष्ट्रीय नेता घनश्याम तिवाड़ी सहित अन्य जानी-मानी हस्तियां शिरकत करेंगी! पूरी कार्ययोजना बनाई जाएगी जिसमें समाज के सरकारी सेवा में चयनित विद्यार्थियों, बुजुर्गों, अधिकारियों का सम्मान किया जाना विचाराधीन है! इस संबंध में शीघ्र बड़ी बैठक होगी बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा राजकुमार वेशान्दर सुरेश चंद्र शर्मा ,मनोरंजन शर्मा एलआईसी ,रवि कुमार शर्मा व्यवस्थापक मां पीतांबरा, रामवीर जी शर्मा राजपुरा वाले संतोष प्रधान सुरेंद्र शर्मा अवधेश शर्मा राकेश कुमार अध्यापक सहित बड़ी संख्या में विप्र बंधुओं ने अपने अपने विचार रखें ! होने वाले सम्मेलन में पूरी तरह से अपने तन मन धन से अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया!

राज्य सरकार खामोश, नर्सेज में बढ़ रहा आक्रोश 21 वें दिन भी 2 घंटे का कार्य बहिष्कार जारी

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) जिला धौलपुर के राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के जिला संयोजक हरिशंकर शर्मा व अमृतलाल द्रोण ने जानकारी दी कि जिला अस्पताल धौलपुर में संघर्ष समिति के बैनर तले सीनियर नर्सिंग ऑफीसर राधेश्याम सेन की अध्यक्षता में आज 21वे दिन भी नर्सेज ने 2 घंटे सुबह 8:00 से 10:00 तक गेट मीटिंग करते हुए कार्य बहिष्कार जारी रखा। नर्सिंग ऑफिसर रविंद्र सिंह त्यागी व हरेंद्र सिंह तोमर ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।इस मौके पर उपस्थित नर्सेज को संबोधित करते हुए नर्सिंग ऑफिसर जितेंद्र कुमार ने सभी नर्सेज को अपने 11 सूत्री मांग पत्र के बारे में जानकारी दी। वह सभी को एक साथ मिलकर सरकार से लड़ाई लड़ने के लिए जोर दिया। सीनियर नर्सिंग ऑफिसर पूरन सिंह व विनोद चौधरी ने सरकार की मंशा को गलत बताते हुए कहा कि सरकार नर्सेज की मांगों पर अनदेखी कर रही है। जिससे नर्सेज में भारी रोष व्याप्त है। कैलाशी लाल व विनोद चौधरी ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम सभी नर्सेज ने कोरोना काल में अपनी जान जोखिम में डालते हुए निस्वार्थ भाव से जनहित में मरीजों की सेवा करते हुए उनकी जान बचाने में पूरी जिम्मेदारी निभाई। जिसको राज्य सरकार के द्वारा फ्रंटलाइन कोरोना वारियर्स का खिताब भी दिया जा चुका है। वहीं सरकार के द्वारा उनकी मांगों की अनदेखी भी की जा रही है। जोकि सारे आम के उनके साथ अन्याय है। इस मौके पर सीनियर नर्सिंग ऑफिसर व कई नर्सिंग ऑफिसर जिसमें रामकली शर्मा, जोली साजू, ज्योति रावत, जूली वर्मा, गीता शर्मा, अरुणा राजपूत, प्रेमलता शर्मा, निर्मला शर्मा, पूजा तिवारी, राधा रानी, मंजू कुमारी, सीमा, देवेंद्र चौधरी, कोमल सिंह, अशोक तोमर, निरंजन सिंह, लक्ष्मीकांत सिकरवार, धर्मेंद्र कुमार, अमर सिंह, विनोद शर्मा, वीरेंद्र कुमार, सुमित शर्मा ,आलोक शुक्ला, उमा दत्त त्यागी, रामप्रकाश लोधा, दिलीप गुधैनिया, शशिपालचौधरी, योगेंद्र चौधरी, राजेश जगर, रामप्रकाश वघेला, सोमबीर इत्यादि नर्सेज ने गेट मीटिंग करते हुए सरकार के खिलाफ किए गए विरोध प्रदर्शन व कार्य बहिष्कार में भाग लिया। व आपातकालीन सेवाओं को प्रभावित नहीं होने दिया।

नर्सिंग ऑफिसर जगदीश सिंह मान ने बताया कि समय रहते हुए अगर नर्सेज की मांगों का निस्तारण नहीं हुआ। तो हमें आगे उग्र आंदोलन करना पड़ेगा। जिससे जन स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की समस्त जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।

राजस्थान दक्षिण के तत्वावधान में आयोजित वर्षावास कार्यक्रम हुआ संपन्न

दी बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया भारतीय बौद्ध महासभा की मीटिंग हिंडौन के राजापुरा में आयोजित

चमकता राजस्थान, रामदास तरुण (ब्यूरो चीफ) हिंडौन उपखंड के राजा पुरा, मुठिया पुरा में द बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया महासभा राजस्थान दक्षिण के तत्वाधान में वर्षावास कार्यक्रम का आयोजन राजापुरा लोहरक्या की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमे पूज्य भंते धम्मानंद छत्तीसगढ़ , पूज्य भंते सुंदरा द्वारा तथागत गौतम बुद्ध और बाबा साहब की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर मीटिंग का संचालन पीटीआई मान सिंह बौद्ध द्वारा किया गया। भिक्षु संघ द्वारा त्रिशरण ,पंचशील के साथ धम्म देशना प्रदान किया गया ,उक्त कार्यक्रम के आयोजन समस्त ग्रामवासी राजापुरा द्वारा किया गया। जिसमे प्रदेश उपाध्यक्ष बौधाचार्य पुरणमल बौद्ध अलवर, उपाध्यक्ष संरक्षक लक्ष्मण प्रसाद गौतम , कोषधायक्ष जमना बौद्ध उपाध्यक्ष प्रचार सतीश बौद्ध झिरना, जिला अध्यक्ष मानसिंह बौद्ध , गोपी बौद्ध जी करौली उक्त कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बुद्ध के धम्म नगर विषय पर चर्चा की कार्यक्रम बौधाचार्य पुरणमल ने अपने उद्बोधन में भगवान बुद्ध का धम्म नगर कैसा था विस्तृत रूप से वर्णन कर सरल भाषा में बताया।

कार्यक्रम में गानों के माध्यम से मानसिंह बौद्ध , अंधविश्वास मे महिला कैसे फसती है इस पर सतीश बौद्ध ने कहानी के माध्यम से धम्म बंधुओ को बताया ,वर्षावास कार्यक्रम में ग्रामीण इकाई राजापुरा का गठन किया और धम्म को पुरा समझने के बाद 11 लोगों ने धम्म दिक्षा फॉर्म भरे और कुछ दिनों मे धम्म दीक्षा ग्रहण करने का मानस बनाया। इस अवसर पर दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया का गठन करते हुए ग्रामीण अध्यक्ष शिव सिंह , उपाध्यक्ष लाखन , कोषाध्यक्ष मुनेश कुमार, सचिव हरिगुन और महिला उपाध्यक्ष बबिता को सभी की सहमति से नियुक्त कियाऔर 10 साथियों को संघटक नियुक्त किया। इस अवसर पर पूरणमल बहुत दिन है कहा कि समस्त उपासक उपासिकाओं ने उपस्थित होकर धम्म लाभ प्राप्त किया,एवं 22 प्रतिज्ञा बोलकर शपथ ग्रहण की. इसी तरह से आप सभी का साथ मिलता रहेगा तो हम बाबा साहब के कारवा को गति प्रदान करने की कोशिश करेंगे। इस अवसर पर महिला पुरुष एवं बच्चों सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

भगवत कटारा से कुशलक्षेम पूछने पहुंचे यश अग्रवाल

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा भरतपुर,मित्र भारत समाज के संस्थापक अध्यक्ष भगवत कटारा जिन्होने अभी तक गरीब असहाय 3000 के करीब कन्याओं की शादी कराकर एकपुनीत कार्य किया। भगवत कटारा हर माह गरीब असहाय लोगों की मदद के लिए उन्हें एक महीने का राशन किट वितरित करते रहते है यही नही होली दिपावली तीज त्योहार को भी गरीबों को मिठाइयां वितरित करते हुए उन्हें करीब 20 साल से अधिक हो चुके हैं। भगवत कटारा के मित्र मंडली भारत समाज अध्यक्ष भगवत कटारा ने बयाना जयपुर सहित राजस्थान के अन्य जिलों में वृद्ध आश्रम का निर्माण कराया है। निर्माण पूरे हो चुके हैं जिनमें असहाय वृद्ध अपना जीवन यापन कर रहे हैं। कुछ निर्माणाधीन हैं उनका कार्य भी जल्दी ही प्रारंभ किया जाएगा। गरीब व असहायों के मसीहा मित्र भारत समाज के संस्थापक अध्यक्ष भगवत कटारा करीब दो माह से कई रोगों से ग्रस्त हैं। और उनका इलाज जयपुर भरतपुर में चल रहा है । उनके अस्वस्थ होने का समाचार खेल इंडिया के संयोजक एवं भरतपुर विधानसभा से भाजपा के संभावित उम्मीदवार यश अग्रवाल ने नदिया मौहल्ला स्थित उनके निवास पर जाकर उनकी कुशलक्षेम पूछी। और कहा आप किसी प्रकार की चिंता न करें हजारों की संख्या में गरीब व असहाय लोग आपके स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं मेरी भी भगवान से कामना है कि आप जल्दी ही स्वस्थ होकर पूर्व की तरह ही इस संस्था के उददेश्यों को आगे बढाये और हमेशा की तरह गरीब व असहायों की मदद करते रहें । गरीब व असहाय की मदद करने वाले की भगवान भी परीक्षा लेते है लेकिन लोगों की दुआओं के आगे भगवान को भी झुकना पडेगा और आप जल्दी ही स्वस्थ होंगे। इस मौके पर कोली समाज के जिलाध्यक्ष एवं मित्र भारत समाज के पदाधिकारी चंद्र भान महौर ने कहा कि मैं कई वर्षो से इस संस्थान से जुडा हूं और बडे बडे राजनेताओं को मैंने इस संस्थान में सिरकत करते देखा है। उन्होने एक कहावत कहते हुए कहा कि आप ये कहावत बिल्कुल सत्यार्थ हो रही है सुखमय सुमिरन सब करें दुख में करें न कोई । मित्र भारत समाज के संस्थापक अध्यक्ष भगवत कटारा ने अपनी संस्थान की मदद से कई जमीनी राजनेताओं को शिखर पर पहुंचाने का काम किया है। लेकिन उनके अस्वस्थ होते ही सारे राजनेताओं ने उनसे उनके हालचाल जानने की कोशिश तक नही की। मैं भरतपुर के भाजपा के संभावित उम्मीदवार यश अग्रवाल का मित्र भारत समाज व समाज की ओर से धन्यवाद देना चाहता हूं कि उनहोने जाने कहां से खबर मिली कि भगवत कटारा अस्वस्थ हैं। और तुरंत ही अपने दल बल के साथ उनकी कुशलक्षेम पूछने उनके घर पर पधारे। भरतपुर का नेतृत्व करने वाला ऐसा ही नेता हमको चाहिए। अंत मित्र भारत समाज के संस्थापक अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण समाज के प्रदेश महामंत्री व वसुंधरा राजे के प्रदेश मीडिया प्रभारी घनश्याम अवस्थी ने यश अग्रवाल को मित्र भारत समाज की पुस्तक दुपटटा और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। दोनों नेताओं ने अपने आशीष भरे शब्दों में कहा कि मित्र भारत समाज संस्थान भरतपुर विधानसभा में हरसंभव आपके लिए मदद करता रहेगा ।

एमजीएसयू में मनोज दीक्षित ने संभाला कुलपति का जिम्मा

चमकता राजस्थान, बीकानेर। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर मनोज दीक्षित ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। रविवार को ही राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने तीन साल के लिए उनकी नियुक्ति के आदेश जारी किए थे। युनिवर्सिटी में कुलपति परिसर में कार्यवाहक कुलपति भागीरथ सिंह ने उन्हें कार्यभार सौंपा। कार्यवाहक कुल सचिव डॉ. बिट्?ठल बिस्सा ने राज्यपाल की ओर से जारी आदेश के मुताबिक कार्यभार ग्रहण करवाया। प्रोफेसर दीक्षित यहां तीन साल के लिए कुलपति रहेंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों के पुरूषों में कबड्डी और महिलाओं में रस्साकस्सी के प्रति दिखा भारी उत्साह

राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेलों की स्पर्धाएं तीसरे दिन भी रही जारी

चमकता राजस्थान, बीकानेर। रेत के धोरों के बीच बने खेल मैदान में धोती-कुर्ता पहने और सिर पर पगड़ी लगाए लगभग साठ साल के ग्रामीण ने कबड्डी-कबड्डी बोलते हुए जैसे ही खेल मैदान में प्रवेश किया, तो वहां मौजूद लोग तालियां बजाने लगे। वहीं पारम्परिक वेशभूषा में ग्रामीण महिलाओं ने रस्साकस्सी में जोर आजमाइश देखने को मिली और स्कूली बालिकाओं ने तेज गेंदबाजी में हाथ आजमाया तो वहां मौजूद महिलाओं की आंखों में गर्व की अनुभूति साफ दिखी। कुछ ऐसे ही दृश्य सोमवार को जिले के लगभग प्रत्येक खेल मैदान पर दिखे। अवसर था राज्य सरकार की पहल पर आयोजित किए जा रहे राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेलों की स्पर्धाओं का। लगातार तीसरे दिन इनके प्रति खासा उत्साह दिखा। हालांकि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में यह क्रेज चरम पर था। आम दिनों में स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों को गांवों के खेल मैदान में अलग-अलग खेल प्रतियोगिताएं देखने का मौका मिला। जिले की 366 ग्राम पंचायतों और शहरी क्षेत्र के 29 क्लस्टर क्षेत्रों में विभिन्न खेल स्पर्धाएं हुई। इनमें हजारों खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिनमें हर उम्र के खिलाड़ी शामिल रहे। पांचू के रासीसर में ग्रामीण पुरूषों के बीच कबड्डी और महिलाओं के बीच खेला गया रस्साकस्सी का मुकाबला आकर्षक का केन्द्र रहा। कोलायत की बालिकाओं की टीम ने क्रिकेट के मैदान पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी की। इस दौरान बड़ी संख्या में दर्शक भी मौजूद रहे। उधर, खिलाड़ियों ने खेल भावना से जुड़ी शपथ ली और ई-शपथ के वर्ल्ड रिकॉर्ड के अभियान में अपनी भागीदारी निभाई। खेलों के दौरान लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी गई। इनमें स्कूली विद्यार्थी भी शामिल रहे। केसरिया बालम लोक गीत और कालबेलिया नृत्य को विशेष सराहना मिली। वहीं ओलंपिक खेल के थीम सॉन्ग पर भी ग्रामीणों ने नृत्य किया। जिला कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने उपखण्ड अधिकारियों और मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी से खेलों से जुड़ा फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक खेल मैदान पर सभी आवष्यक व्यवस्थाएं हों। अधिकारी इनका सतत निरीक्षण करें।

मुस्लिम समाज कमेटी ने समशाओ को लेकर पुर्व विधायक गुर्जर से अवगत कराया

चमकता राजस्थान अजमेर जिला ब्यरो चीफ रघुनंदन पारीक. रविवार की रात, नगर के मुस्लिम समुदाय एवं नगर वक्फ कमिटी ने अपने मुस्लिम कब्रिस्तान में सड़कों की बुरी हालत के मामले में उन्नति के लिए नगर, राज्य- व्यक्तिगत मान्यता प्राप्त पूर्व विधायक रामनारायण जी गुर्जर और पीसीसी महासचिव महेंद्र सिंह जी गुर्जर को एक ज्ञापन सौंपा। मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों एवं नगर वक्फ कमिटी ने इस मामले में उनके सहयोग और मार्गदर्शन की आवश्यकता पर बल दिया और सड़कों की बुरी हालत के कारण उनके समुदाय के सदस्यों को प्रभावित होने से बचाने की मांग की। एवं पीसीसी महासचिव बनने पर श्रीमान महेंद्र सिंह जी गुर्जर का नगर वक्फ कमिटी एवं आम मुस्लिम समाज ने स्वागत किया। पूर्व विधायक रामनारायण जी गुर्जर ने इस मामले में आपत्तिजनक स्थितियों को देखते हुए उनके समुदाय के प्रति अपनी समर्थन भावना प्रकट की और समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदमों की गारंटी दी। पीसीसी महासचिव महेंद्र सिंह जी गुर्जर ने समुदाय की समस्याओं को समझते हुए उनके साथ साथ मिलकर इस मामले में सहयोग का आश्वासन दिया और इस मुद्दे को प्राथमिकता देने का प्रतिबद्धता जताई ।कार्यक्रम मे समाज के अनेक लोग मौजूद रहे

बिना श्रद्धा और विश्वास के परमात्मा नहीं मिलते - माधव शरण

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा डीग, लोहा मंडी में चल रही श्री शिव महापुराण कथा के अंतर्गत भगवान शिव की बारात डीग के मुख्य बाजार से होकर निकाली गई । कथा वाचक माधव शरण महाराज ने अपने मुखार बिंद से शिव विवाह का सुंदर गान किया और बताया शिव विवाह से ही भक्ति का प्राकट्य होता है, क्योंकी भगवान शिव विस्वास स्वरूप है और माता पार्वती श्रध्दा स्वरूप है और बिना श्रध्दा और विस्वास के परमात्मा नही मिलते, शिव महापुराण कथा हमे सदाचार सिखाती है ।

संस्कृति सोशल क्लब द्वारा आयोजित दो दिवसीय पलक राखी एंड लाइफ़स्टाइल एग्जिबिशन हुई संपन्न, महिलाओं की उमड़ी भीड़

चमकता राजस्थान, जयपुर-संस्कृति सोशल क्लब द्वारा आयोजित दो दिवसीय पलक राखी एंड लाइफ़स्टाइल एग्जिबिशन संपन्न हुई दो दिवसीय इस एग्जीबिशन में महिलाओं की अपार भीड़ लगी रही। क्लब की अध्यक्षा अनिता गुप्ता ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्कृति क्लब की ओर से पलक राखी एंड लाइफ़स्टाइल एग्जिबिशन 5 और 6 अगस्त को लगाई गई । एग्जीबिशन का माहौल बहुत ही अच्छा रहा एग्जीबिशन विद्याधर नगर सेक्टर 2, उत्सव भवन में लगाई गई इसमें सभी प्रकार की चीजें एक छत के नीचे जैसे ज्वेलरी, कपड़े, राखियां, फैंसी आइटम्स, हैंडमेड आइटम्स ,जड़ी बूटियों की दवाइयां, मिर्च मसाले और भी बहुत सारी चीजें जैसे बच्चों के खिलौने फूड आइटम सभी चीज एक छत के नीचे उपलब्ध रहे महिलाओं एवं बच्चों ने जमकर खरीददारी की।

पंचायती राज संस्थाओं के उपचुनाव के लिए कार्यक्रम घोषित किया

20 अगस्त को होगा मतदान

चमकता राजस्थान, बीकानेर। जिले में पंचायती राज संस्थाओं के पंचायत समिति सदस्य, तथा ग्राम पंचायत के सरपंच तथा पंच के रिक्त पदों पर उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि पंचायत समिति सदस्यों तथा ग्राम पंचायतों के सर्किल में पंच के रिक्त पदों के लिए मतदान 20 अगस्त को होगा। उन्होंने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं के 1 फरवरी 2023 से 31 मई 2023 के बीच रिक्त हुए पदों पर ये उपचुनाव करवाए जाएंगे।

यह रहेगा चुनाव कार्यक्रम

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पंचायत समिति सदस्यों के उप चुनाव हेतु नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक है। पंचायत समिति सदस्यों के लिए नाम निर्देशन पत्रों की समीक्षा 11 अगस्त को प्रात: 11 बजे से की जाएगी ।नाम वापसी 12 अगस्त को दोपहर 3 बजे तक की जा सकती है। 12 अगस्त को नाम वापसी के पश्चात चुनाव प्रतीकों का आवंटन और चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। पंचायत समिति सदस्य के लिए मतदान 20 अगस्त रविवार को प्रात: 8 से सायं 5 बजे तक होगा तथा मतगणना पंचायत समिति मुख्यालय पर 22 अगस्त को प्रात: 9 बजे से की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पंच पद के लिए नाम निर्देशन पत्र 13 अगस्त रविवार प्रात: 10 से 5 तक प्रस्तुत किए जा सकते हैं। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 14 अगस्त को प्रात: 10 बजे से की जाएगी । नाम वापसी 14 अगस्त को ही दोपहर 3 बजे तक की जा सकती है ।14 अगस्त को नाम वापसी के पश्चात चुनाव प्रतीकों का आवंटन और चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा । पंच पदों के चुनाव हेतु मतदान 20 अगस्त को प्रात: 8 से सायं 5 बजे तक होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवम 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली न.6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक: अभय सिंह चौहान, मोबाइल: 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)